

सम-सामयिक घटना बक

- * कांग्रेस ने खिलाफत आंदोलन का समर्थन किया, मुख्यतः
— खलीफा की पुनःस्थापना के लिए, मुसलमानों की सहानुभूति प्राप्त करने के लिए
- * जवाहरलाल नेहरू, मदन मोहन मालवीय, मोहम्मद अली तथा स्वामी श्रद्धानंद में से खिलाफत आंदोलन का समर्थन नहीं किया था— मदन मोहन मालवीय ने
- * वर्ष 1920 की खिलाफत कमेटी की सभा, जिसने गांधी को असहयोग आंदोलन के नेतृत्व को संभालने का अनुरोध किया था वह हुई थी
— इलाहाबाद में
- * “इस मिसाल में हम मुसलमानों को हिंदुओं से भिड़ा नहीं पाए।” एर्विंसन के इस कथन का संबंध है जिस घटना से है, वह है
— खिलाफत और असहयोग आंदोलन (1919-22)
- * वर्ष 1921 का मोपला आंदोलन शाखा थी — खिलाफत आंदोलन की

असहयोग आंदोलन

- * वर्ष 1920 के नागपुर के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में असहयोग के प्रस्ताव को प्रस्तावित किया था —सी.आर. दास ने
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पहला असहयोग आंदोलन शुरू किया था
— 1920 ई. में
- * महात्मा गांधी द्वारा चलाया गया प्रथम जन आंदोलन था
— असहयोग आंदोलन
- * ‘एक वर्ष में स्वराज’ का नारा गांधीजी ने दिया
— असहयोग आंदोलन के समय
- * असहयोग आंदोलन के संबंध में सही है
— इस आंदोलन की अवधि वर्ष 1920 से 1922 तक थी; एक वर्ष के भीतर स्वराज की प्राप्ति इसका लक्ष्य था; इसमें बहिष्कार की योजना थी।
- * असहयोग आंदोलन से—
— कांग्रेस सर्वप्रथम जन-आंदोलन बनी, हिंदू-मुस्लिम एकता में वृद्धि हुई, जनता के मन से ब्रिटिश ‘शक्ति’ का भय हट गया
- * ब्रिटिश सरकार ने महात्मा गांधी को जो उपाधि दी थी और जिसे उन्होंने असहयोग आंदोलन में वापस कर दिया, वह थी — कैसर-ए-हिंद
- * महात्मा गांधी, मदन मोहन मालवीय, तेज बहादुर सप्रू, तथा चितरंजन दास में से असहयोग आंदोलन के दौरान अपनी वकालत छोड़ दी थी
— चितरंजन दास ने
- * बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, मोतीलाल नेहरू तथा चितरंजन दास में से वह नेता जिसने असहयोग आंदोलन को समर्थन दिया, परंतु इसके परिणाम नहीं देख सके
— बाल गंगाधर तिलक
- * राहुल सांकृत्यायन 1920 के असहयोग आंदोलन में सक्रिय थे
— छपरा में

- * चौरी-चौरा कांड की वास्तविक तिथि है — फरवरी 5, 1922
- * चौरी-चौरा स्थित है — गोरखपुर जनपद में
- * गांधीजी ने असहयोग आंदोलन (Non-Cooperation Movement) वापस लिया था — चौरी-चौरा कांड के कारण
- * महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन को अपनी ‘हिमालय जैसी भूल’ बताई थी — चौरी-चौरा घटना के बाद
- * चौरी-चौरा की घटना के समय महात्मा गांधी थे — बारदोली में
- * असहयोग आंदोलन 1920 में प्रारंभ हुआ था। यह समाप्त हुआ — 1922 में
- * दिल्ली में 24 फरवरी, 1922 को आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की बैठक में असहयोग आंदोलन वापस लेने के लिए गांधीजी के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव प्रस्तुत किया था — डॉ. मुंजे ने
- * असहयोग आंदोलन के स्थगन-संबंधी घटनाओं का सही क्रम है।
— चौरी-चौरा में पुलिस गोलीकांड, उग्र भीड़ द्वारा पुलिस थाना को जलाना, गांधीजी द्वारा आंदोलन का स्थगन, गांधीजी की गिरफ्तारी
- * घटनाओं का सही क्रम है—
— चौरी-चौरा कांड-बारदोली प्रस्ताव-असहयोग आंदोलन का स्थगन
- * 1923-28 के काल में भारतीय राजनीति में क्रान्तिकारी कार्यविधियों की पुनरावृत्ति (Revival) का कारण था
— गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन का स्थगन
- * वह जिसने असहयोग आंदोलन के दौरान विदेशी वस्त्रों के जलाए जाने पर महात्मा गांधी को लिखा कि ‘यह निष्ठुर बर्बादी’ है
— रवींद्रनाथ टैगोर ने
- * काशी विद्यापीठ, गुजरात विद्यापीठ, जामिया मिलिया तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय संस्थाओं में से असहयोग आंदोलन (1920-22) के दौरान स्थापित की गई
— काशी विद्यापीठ, गुजरात विद्यापीठ, जामिया मिलिया
- * 1921-22 के असहयोग आंदोलन का मुख्य प्रतिफल था
— हिंदू-मुस्लिम एकता
- * सही सुमेलित है—
1885—भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना
1905—बंगाल विभाजन
1909—मार्ले-मिंटो सुधार
1930—सविनय अवज्ञा आंदोलन
- * सही सुमेलित है—
31 दिसंबर, 1929 - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन
23 मार्च, 1931 - भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी
1 अगस्त, 1920 - असहयोग आंदोलन का आरंभ
अप्रैल, 1919 - रौलेट सत्याग्रह

सम-सामयिक घटना चक्र

- * **कथन (A) :** महात्मा गांधी द्वारा 1922 में असहयोग आंदोलन स्थगित कर दिया गया।
कारण (R) : इस स्थगन का सी.आर. दास एवं मोतीलाल नेहरू द्वारा विरोध किया गया।
— (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

स्वराज पार्टी का गठन (1923)

- * भारत में स्वराज पार्टी की स्थापना जिन कारणों से की गई थी, वह हैं — गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन वापस लेना, काउंसिलों में प्रवेश कर तथा उन्हें काम न करने देकर 1919 के भारत शासन अधिनियम का उच्छेदन करना
- * स्वराज पार्टी का निर्माण करने के लिए कांग्रेस के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दिया था — सी.आर. दास ने
- * स्वराज पार्टी का गठन.....की असफलता के बाद हुआ।
— असहयोग आंदोलन
- * मोतीलाल नेहरू और सी.आर. दास द्वारा वर्ष 1923 में गठित पार्टी का नाम था — स्वराज पार्टी
- * मोतीलाल नेहरू स्वराज दल के नेता थे। श्रीनिवास आयरंगर, चितरंजन दास, विठ्ठलभाई पटेल तथा सी. राजगोपालाचारी में से दल में नहीं था — सी. राजगोपालाचारी
- * मोतीलाल नेहरू, सी.आर. दास, एन.सी. केलकर तथा राजेंद्र प्रसाद में से एक स्वराज पार्टी से संबंधित नहीं थे — राजेंद्र प्रसाद
- * 'देशबंधु' के नाम से प्रसिद्ध हैं — चितरंजन दास
- * स्वराज आम जनता के लिए होना चाहिए केवल वर्गों के लिए नहीं, के प्रसिद्ध सूत्र की घोषणा की — सी.आर. दास ने
- * कांग्रेसी नेताओं द्वारा मांटैग्यू-चेम्सफोर्ड रिपोर्ट की निंदा करने पर कई नरमपंथियों ने पार्टी को छोड़कर गठन किया — इंडियन लिबरल फेडरेशन पार्टी का
- * 16 दिसंबर, 1922 को इंडिपेंडेंट पार्टी बनाने का निर्णय लिया था — मदन मोहन मालवीय तथा मोतीलाल नेहरू ने
- * 'सेंट्रल लेजिस्लेटिव एसंबली' का प्रथम भारतीय अध्यक्ष (स्पीकर) था — विठ्ठलभाई जे. पटेल
- * वे राष्ट्रीय नेता जो 1925 में सेंट्रल लेजिस्लेटिव एसंबली के अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे — विठ्ठलभाई पटेल

साइमन कमीशन (1927)

- * साइमन कमीशन भारत आया — 1928 में
- * साइमन कमीशन के आने के विरुद्ध भारतीय जन-आंदोलन हुआ क्योंकि — साइमन कमीशन में कोई भी भारतीय सदस्य नहीं था

- * साइमन आयोग नियुक्त किया गया था — 1927 में
- * 1928 में साइमन कमीशन भारत में जिस उद्देश्य से आया — प्रशासनिक सुधार पर विचार के लिए
- * साइमन कमीशन का वह सदस्य जो उदारवादी दल का था — सर जॉन साइमन
- * जिसके सुझावों पर भारतीयों को साइमन कमीशन से बाहर रखा गया — लॉर्ड इरविन के
- * **कथन (A) :** कांग्रेस ने साइमन आयोग का बहिष्कार किया था।
कारण (R) : साइमन आयोग में एक भी सदस्य भारतीय नहीं था।
— (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), सही व्याख्या है (A) की।
- * साइमन कमीशन के संबंध में सही है — उसकी नियुक्ति 1919 एक्ट के क्रियान्वयन की पूछताछ के लिए की गई थी, उसके अध्यक्ष सर जॉन साइमन थे, उसने संघीय प्रकार की सरकार के लिए संस्तुति की थी, भारतीय नेताओं ने उसका विरोध किया था।
- * साइमन कमीशन की सिफारिशों के संदर्भ में सही है — इसने प्रांतों में द्वैधशासन को उत्तरदायी सरकार द्वारा प्रतिस्थापित करने की संस्तुति की
- * लाला लाजपत राय घायल हुए थे — साइमन कमीशन के विरोध में हुए लाठी चार्ज में
- * 'पंजाब केसरी' की उपाधि दी गई थी — लाला लाजपत राय को
- * **अभिकथन (A) :** 1928 में लाहौर में लाला लाजपत राय के नेतृत्व में साइमन कमीशन का विरोध आयोजित किया गया था।
कारण (R) : साइमन कमीशन में एक भी भारतीय सदस्य शामिल नहीं था।
— (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।
- * 'नेहरू रिपोर्ट' तैयार की थी — एम.एल. नेहरू ने
- * राजगोपालाचारी और सरदार पटेल, पं. मोतीलाल नेहरू और गोविंद बल्लभपंत, सर तेज बहादुर सप्रू और जयकर तथा जवाहरलाल नेहरू और जगजीवनराम में से सर्वप्रथम भारत के लिए औपनिवेशिक स्वराज्य की मांग की थी — सर तेज बहादुर सप्रू और जयकर ने
- * भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के काल के संदर्भ में नेहरू रिपोर्ट में अनुशंसा की गई थी — अल्पसंख्यकों हेतु आरक्षित स्थानों के लिए संयुक्त निर्वाचन क्षेत्र; संविधान में भारतीयों के लिए मौलिक अधिकारों का प्रावधान
- * वर्ष 1928 में 'इंडिपेंडेंस फॉर इंडिया लीग' के गठन से संबंध था — जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस

सम-सामयिक घटना बक

- * नेहरू रिपोर्ट की अध्यक्षता में एक कमेटी द्वारा तैयार किया गया था और इसका विषय था.....।

— मोतीलाल नेहरू; भारत में संवैधानिक व्यवस्थाएं

- * मुस्लिम लीग के जिस अधिवेशन में एम.ए. जिन्ना ने अपना 14 सूत्रीय प्रस्ताव रखा था

— 1929 दिल्ली में मुस्लिम लीग के अधिवेशन में

- * कांग्रेस दल की उग्र शाखा ने, जिसके एक प्रमुख नेता जवाहरलाल नेहरू थे, 'इंडिपेंडेंस फॉर इंडिया लीग' की स्थापना की। वह लीग स्थापित हुई थी

— नेहरू रिपोर्ट के विरोध में

कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन, पूर्ण स्वराज प्रस्ताव (1929)

- * भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, प्रस्तावित किया कि स्वराज को सभी प्रकार के विदेशी नियंत्रण से मुक्त संपूर्ण स्वतंत्रता के रूप में परिभाषित किया जाए

— मौलाना हसरत मोहानी ने

- * 1921 के अहमदाबाद अधिवेशन में संपूर्ण स्वराज को कांग्रेस का लक्ष्य मानने का प्रस्ताव रखा

— हसरत मोहानी ने

- * कांग्रेस ने पहली बार भारत की स्वतंत्रता का प्रस्ताव पारित किया था

— 1929 में

- * 'पूर्ण स्वराज' का प्रस्ताव लाहौर कांग्रेस में पारित किया गया

— वर्ष 1929 में

- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वह अधिवेशन जिसमें "पूर्ण स्वराज" का प्रस्ताव पारित हुआ था, की अध्यक्षता की थी

— जवाहरलाल नेहरू ने

- * कांग्रेस के 1929 के लाहौर अधिवेशन में कांग्रेस का लक्ष्य 'पूर्ण स्वराज' घोषित किया

— जवाहरलाल नेहरू ने

- * 31 दिसंबर, 1929 को अर्द्धरात्रि में भारतीय राष्ट्रध्वज को फहराया था

— जवाहरलाल नेहरू ने

- * स्वतंत्रता का नव-ग्रहीत तिरंगा पहली बार लहराया गया

— 31 दिसंबर, 1929

- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वह अधिवेशन जिसकी अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू ने सर्वप्रथम की थी

— लाहौर अधिवेशन, 1929

- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन (1929) इतिहास में इसलिए बहुत प्रसिद्ध है, क्योंकि

— कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज की मांग का एक संकल्प पारित किया

- * 1929 में कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पारित संकल्प में शामिल था

— भारत की विदेश नीति की घोषणा; पूर्ण स्वराज्य के लक्ष्य की घोषणा; सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ करने की तैयारी

- * पूर्ण स्वराज संकल्प को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में प्रस्तुत किया था

— जे.एल. नेहरू ने

सविनय अवज्ञा आंदोलन

- * कार्यकारी कमेटी को सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ करने का अधिकार दिया गया था

— लाहौर सत्र में

- * गांधीजी ने 'दांडी मार्च' प्रारंभ किया था

— 12 मार्च, 1930 को

- * गांधीजी ने दांडी यात्रा प्रारंभ की थी

— साबरमती से

- * वह प्रांत जिसके सत्याग्रहियों की संख्या महात्मा गांधी के दांडी कूच में सर्वाधिक थी

— गुजरात

- * असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह, बारदोली कूच तथा भारत छोड़ो आंदोलन में से महिलाओं की भागीदारी सर्वाधिक मानी जाती है

— नमक सत्याग्रह में

- * दांडी मार्च शुरू किया गया था

— नमक कानून तोड़ने हेतु

- * दांडी मार्च, भारत छोड़ो आंदोलन, साइमन कमीशन का आगमन तथा गांधी-इरविन समझौता में से सबसे पहले घटित घटना

— साइमन कमीशन का आगमन

- * कथन (A) : महात्मा गांधी द्वारा नमक आंदोलन वर्ष 1930 में चलाया गया था।

कारण (R) : महात्मा गांधी का उद्देश्य था कि गरीबों को नमक मुफ्त उपलब्ध हो।

— (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

- * "शक्ति के विरुद्ध अधिकार की इस लड़ाई में मैं विश्व की सहानुभूति चाहता हूँ।" यह कथन संबद्ध है

— गांधी की दांडी यात्रा से

- * महात्मा गांधी की दांडी यात्रा के विषय में सत्य है

— यह पूर्णतः एक पैदल यात्रा थी; साबरमती आश्रम से आरंभ होकर इसका समापन दांडी में हुआ था; साबरमती आश्रम से शुरू समूची यात्रा 24 दिनों में पूरी हुई थी।

- * नमक सत्याग्रह के समय गांधीजी के गिरफ्तार हो जाने के बाद आंदोलन के नेता के रूप में उनका स्थान लिया

— अब्बास तैयबजी ने

- * महात्मा गांधी घरसना नमक गोदाम पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के धावे के समय थे

— बरबदा जेल में

- * वह आंदोलन जिसमें भाग लेने के लिए आचार्य विनोबा भावे प्रथम बार गिरफ्तार हुए थे

— सविनय अवज्ञा आंदोलन

- * गांधीजी ने जिस विदेशी पत्रकार को दांडी मार्च के समय अपने साबरमती आश्रम में ठहराया, वह था

— देव मिलर

- * अप्रैल, 1930 में नमक कानून तोड़ने के लिए तंजौर तट पर एक अभियान संगठित किया था

— सी. राजगोपालाचारी ने

- * भारतीय स्वाधीनता संघर्ष के दौरान रेड शर्ट्स के नाम से भी पहचाने जाने वाले खुदाई खिदमतगारों ने आह्वान किया

— पठान क्षेत्रीय राष्ट्रवादी एकता का और उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष का

सम-सामयिक घटना चक्र

- * लाल कुर्ती दल संगठित किया गया था
— अंग्रेजों को निकालने के लिए
- * गढ़वाल रेजीमेंट के सैनिकों ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने से इंकार कर दिया था
— सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान
- * 'लाल कुर्ती' आंदोलन के नेता थे
— खान अब्दुल गफ्फार खां
- * सन् 1930 में अंग्रेज सरकार के विरुद्ध, प्रसिद्ध 'पेशावर कांड' का नायक था
— वीर चंद्रसिंह गढ़वाली
- * जियातरंग आंदोलन प्रारंभ हुआ
— मणिपुर में
- * बेगूसराय के चौकीदारी टैक्स के विरुद्ध आंदोलन, एक हिस्सा था
— सविनय अवज्ञा आंदोलन का
- * सविनय अवज्ञा आंदोलन (Civil Disobedience Movement) की असफलता के बाद गांधीजी ने महत्व दिया
— रचनात्मक कार्यक्रम को
- * प्रभावती देवी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थीं
— पटना की

गांधी-इरविन समझौता

- * गांधी-इरविन समझौता हुआ मुख्य रूप से
— गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस की भागीदारी सहज करने के लिए
- * 5 मार्च, 1931 को हुआ समझौता
— इरविन-गांधी समझौता
- * वह आन्दोलन जिसका स्थगन गांधी-इरविन समझौते में किया जाना प्रस्तावित था
— सविनय अवज्ञा आंदोलन का
- * गांधी-इरविन समझौते के हस्ताक्षरित होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई
— तेज बहादुर सप्रू ने
- * इरविन तथा गांधी को 'दो महात्मा' कहा था
— सरोजिनी नायडू ने
- * गांधी-इरविन समझौते में महात्मा गांधी के लाभ को 'सात्वना पुरस्कार' कहा था
— एलन कैम्पबेल जॉनसन ने

कांग्रेस का कराची अधिवेशन (1931)

- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन का सभापतित्व किया था
— वल्लभभाई पटेल ने
- * 1931 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन के लिए, जिसकी अध्यक्षता सरदार पटेल कर रहे थे, मूल अधिकारों तथा आर्थिक कार्यक्रम पर संकल्प प्रारूपित किया था
— पंडित जवाहरलाल नेहरू ने
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन (1931) को 'महात्मा गांधी की लोकप्रियता और सम्मान की पराकाष्ठा' माना
— एस.सी. बोस ने

- * भारतीय स्वाधीनता संघर्ष से संबंधित घटनाओं का सही क्रम है
— गांधी-इरविन समझौता-भगत सिंह को फांसी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कराची अधिवेशन-द्वितीय गोलमेज सम्मेलन
- * भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित घटनाओं का सही क्रम है-
— गांधी-इरविन समझौता-राजगुरु को फांसी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कराची अधिवेशन
- * भारतीय स्वाधीनता संग्राम से संबंधित घटनाओं का सही क्रम है-
— गांधी-इरविन समझौता-भगत सिंह को फांसी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कराची अधिवेशन-पूना समझौता

गोलमेज सम्मेलन

- * मौलाना मुहम्मद अली, मौलाना अबुल कलाम आजाद, महात्मा गांधी तथा पं. जवाहरलाल नेहरू में से वह भारतीय नेता जिसने लंदन में प्रथम गोलमेज कॉन्फ्रेंस में भाग लिया था
— मौलाना मुहम्मद अली
- * प्रथम गोलमेज सम्मेलन के बारे में सही है
— यह 1930 में आयोजित हुई थी; इसे साइमन आयोग की रिपोर्ट पर चर्चा करनी थी; इसका आयोजन लंदन में हुआ था।
- * लंदन में संपन्न हुए गोलमेज सम्मेलन में भारतीय ईसाइयों का प्रतिनिधित्व किया था
— के.टी. पाल ने
- * द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया
— महात्मा गांधी, सरोजिनी नायडू, मदन मोहन मालवीय ने
- * द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया
— महात्मा गांधी ने
- * कथन (A) : जवाहरलाल नेहरू ने दूसरे गोलमेज सम्मेलन (1932) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया था।
कारण (R) : गांधी-इरविन समझौते (1931) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का दूसरे गोलमेज सम्मेलन (1931) में भाग लेना अंतर्निहित था।
— (A) गलत है, किंतु (R) सही है।
- * महात्मा गांधी, जब द्वितीय गोलमेज सभा में भाग लेने लंदन गए थे, ठहरे थे
— किंग्सले हाल में
- * द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस के एक प्रतिनिधि के रूप में भाग लेने के लिए महात्मा गांधी बंबई से लंदन जिस पानी के जहाज में गये थे, उसका नाम था
— एस.एस. राजपूताना
- * महात्मा गांधी दिसंबर, 1931 में खाली हाथ भारत लौटे थे
— लंदन से
- * द्वितीय गोलमेज सम्मेलन जिस प्रश्न पर असफल रहा, वह था
— सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व
- * उस भारतीय का नाम जिसने तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया था
— बी.आर. अम्बेडकर

सम-सांख्यिक घटना बक

- * 1930-32 की अवधि में भारत और ब्रिटेन के राजनेताओं की लंदन में हुई बैठकों का प्रायः प्रथम, द्वितीय और तृतीय गोलमेज सम्मेलन के रूप में उल्लेख किया जाता है। उनका उसी रूप में उल्लेख गलत होगा, क्योंकि — ये तीन अलग-अलग सम्मेलन नहीं थे, अपितु यह एक ही सम्मेलन की अवस्था थी जो तीन सत्रों में संपन्न हुई थी
- * गोलमेज सम्मेलन जो 1932 में हुआ था — तीसरा
- * सही कथन है—
 - प्रथम गोलमेज सम्मेलन में डॉ. अम्बेडकर ने दलित वर्ग के लिए अलग निर्वाचक मंडल की मांग रखी; पूना पैक्ट में स्थानीय निकायों तथा सिविल सेवाओं में दलित वर्गों के प्रतिनिधित्व के लिए विशेष उपबंध रखे गए थे; तृतीय गोलमेज सम्मेलन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भाग नहीं लिया था।

सांप्रदायिक पंचाट एवं पूना पैक्ट (1932)

- * 'सांप्रदायिक अधिनिर्णय' घोषित किया — रैम्जे मैकडोनाल्ड ने
- * अगस्त, 1932 के रैम्जे मैकडोनाल्ड के सांप्रदायिक पंचाट के द्वारा पहली बार एक पृथक निर्वाचक समूह बनाया गया — अछूतों के लिए
- * मैकडोनाल्ड के सांप्रदायिक पंचाट (Communal Award) ने पृथक चुनाव क्षेत्र एवं आरक्षित सीटें आवंटित की थीं
 - मुसलमानों, सिक्खों तथा अनुसूचित जातियों को
- * महात्मा गांधी ने पहला आमरण अनशन प्रारंभ किया था
 - कम्युनल अवॉर्ड के समय
- * 1932 में महात्मा गांधी ने मरणपर्यंत उपवास प्रधानतया इसलिए किया कि
 - रैम्जे मैकडोनाल्ड ने सांप्रदायिक अधिनिर्णय (कम्युनल अवॉर्ड) की घोषणा की
- * सांप्रदायिक अवॉर्ड एवं पूना पैक्ट में दलित वर्ग के लिए सीटें दी गई
 - क्रमशः 71 व 147
- * पूना समझौते का उद्देश्य था — दलित वर्ग को प्रतिनिधित्व देना
- * कथन (A) : पूना पैक्ट ने कम्युनल अवॉर्ड के उद्देश्य को धराशायी कर दिया।
 - कारण (R) : उसके माध्यम से संसद एवं विधान सभाओं में अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के सीट आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हो गया।
 - (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
- * श्री बी.आर. अम्बेडकर व गांधीजी के बीच एक समझौता हुआ था जो कहलाता है — पूना समझौता

- * पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर किए थे
 - सांप्रदायिक अधिनिर्णय के विरुद्ध गांधीजी के आमरण अनशन के बाद पूना समझौता 24 सितंबर, 1932 को हस्ताक्षरित हुआ। इस समझौते पर गांधीजी के समर्थकों एवं अम्बेडकर ने हस्ताक्षर किए थे। गांधीजी ने इस पर हस्ताक्षर नहीं किए थे।
- * 'सांप्रदायिक अधिनिर्णय' की घोषणा के पश्चात संपादित किया गया
 - पूना समझौता
- * बी.आर. अम्बेडकर, मदन मोहन मालवीय, सी. राजगोपालाचारी तथा एम.के. गांधी में से 1932 के ऐतिहासिक पूना समझौते पर हस्ताक्षर किए थे
 - बी.आर. अम्बेडकर, मदन मोहन मालवीय, सी. राजगोपालाचारी
- * 1932 में पूना पैक्ट के बाद हरिजन सेवक संघ की स्थापना हुई। इसके अध्यक्ष थे — घनश्याम दास बिड़ला
- * ऑल इंडिया अनटचैबिलिटी लीग, बाद में जिसका नाम बदलकर 'हरिजन सेवक संघ' हुआ, इसके प्रथम अध्यक्ष थे — जी.डी. बिड़ला
- * अखिल भारतीय हरिजन संघ की स्थापना की थी
 - महात्मा गांधी ने
- * 'दलित वर्गों का संघ' स्थापित किया गया था
 - डॉ. बी.आर. अम्बेडकर द्वारा
- * "महात्मा गांधी क्षणिक भूत की भांति धूल उठाते हैं लेकिन स्तर नहीं।" कहा था — डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने

कांग्रेस समाजवादी पार्टी (1934)

- * कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की पहली बैठक पटना में हुई
 - वर्ष 1934 में
- * एम.एन. राय, गणेश शंकर विद्यार्थी, पट्टमताणु पिल्लै तथा आचार्य नरेंद्र देव में से कांग्रेस समाजवादी दल का प्रमुख नेता था
 - आचार्य नरेंद्र देव
- * वर्ष 1934 में पटना में अखिल भारतीय कांग्रेस समाजवादी पार्टी का संयोजक था
 - जयप्रकाश नारायण
- * वर्ष 1934 में कांग्रेस समाजवादी पार्टी का गठन किया गया था
 - जयप्रकाश नारायण एवं आचार्य नरेंद्र देव द्वारा
- * बिहार सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापक थे — जयप्रकाश नारायण
- * 'लोकनायक' के नाम से जाना जाता है — जयप्रकाश नारायण को
- * जयप्रकाश दिवस मनाया गया — अप्रैल, 1946 में
- * श्री नरसिंह नारायण थे — समाजवादी
- * सही कथन हैं—
 - 1936 में हस्ताक्षरित "बंबई मेनिफेस्टो" प्रत्यक्ष रूप से समाजवादी आदर्शों के प्रतिपादन का विरोधी था, इसको समस्त भारत से वृहत व्यापारिक समुदाय का सहयोग मिला था।

प्रांतीय चुनाव और मंत्रिमंडल का गठन (1937)

- * 1937 में संपन्न विधानसभा चुनावों में इंडियन नेशनल कांग्रेस को पूर्ण बहुमत नहीं मिला था — पंजाब में
- * प्रांतीय सरकारों का गठन किया गया था — 1935 के अधिनियम के तहत
- * 1935 के अधिनियम के तहत कराए गए विधानसभा चुनावों में मद्रास, बिहार, उड़ीसा एवं बंगाल राज्य में कांग्रेस ने पूर्ण बहुमत नहीं प्राप्त किया — बंगाल में
- * बंबई, असम, उड़ीसा तथा बिहार में से वह प्रांत जहां 1937 के आम निर्वाचन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को पूर्ण बहुमत नहीं प्राप्त हुआ था — असम में
- * 1937 के चुनावों में कांग्रेस द्वारा बहुमत प्राप्त प्रांतों की संख्या है — पांच
- * 1937 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का मंत्रिमंडल बना — मध्य प्रांत, उड़ीसा में
- * वह प्रांत जहां 1937 के आम चुनाव के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपनी सरकार बनाई — बिहार, मद्रास, उड़ीसा
- * बिहार, मद्रास, उड़ीसा एवं पंजाब में से वह प्रदेश जिसमें 1935 के अधिनियम के अंतर्गत कांग्रेस की मंत्रिपरिषद का गठन नहीं हुआ था — पंजाब
- * वर्ष 1937 के चुनावों में कांग्रेस का मंत्रिमंडल बना था — 6 प्रांतों में
- * 1935 के अधिनियम के उपरांत, 1937 में हुए चुनावों में गठित कांग्रेस मंत्रिमंडलों का कार्यकाल था — 28 माह
- * मुस्लिम लीग ने 'मुक्ति दिवस' मनाया था — 1939 में
- * कांग्रेस ने भूस्वामित्व को समाप्त करने की नीति अपनाई — कार्यकारिणी कमेटी, 1937 में
- * 1937 के चुनाव के पश्चात यू.पी. में गठित मंत्रिमंडल में वित्त विभाग सौंपा गया था — रफी अहमद किदवाई को
- * कांग्रेस प्रशासित प्रदेशों में मुस्लिमों की शिकायतों से संबंधित रिपोर्टों का सही कालानुक्रम है—
- पीरपुर रिपोर्ट-शरीफ रिपोर्ट-मुस्लिम सफरिंग्स अंडर कांग्रेस रूल

कांग्रेस का त्रिपुरी संकट (1939)

- * 1938 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित हुए — सुभाष चंद्र बोस
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन की अध्यक्षता की थी — एस.सी. बोस ने

- * 'हरिपुरा' जहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन 1938 में सुभाष चंद्र बोस की अध्यक्षता में हुआ था, वह स्थित है — गुजरात में
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के त्रिपुरी सम्मेलन में वर्ष 1939 में सुभाष चंद्र बोस को कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया था। यह त्रिपुरी है — जबलपुर में
- * सुभाष चंद्र बोस दूसरी बार अध्यक्ष चुने गए थे — त्रिपुरी अधिवेशन में
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वह अधिवेशन जिसमें कांग्रेस-अध्यक्ष के चुनाव में सुभाष चंद्र बोस ने पट्टाभि सीतारमैया को पराजित किया था — त्रिपुरी अधिवेशन, 1939
- * सुभाष चंद्र बोस के त्यागपत्र के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष हुए — राजेंद्र प्रसाद
- * कांग्रेस के त्रिपुरी अधिवेशन के पश्चात, सुभाष चंद्र बोस और दक्षिणपंथी का समस्त झगड़ा जिस प्रश्न पर केंद्रित हो गया, वह था — कांग्रेस कार्यकारिणी समिति का गठन
- * वह भारतीय राष्ट्रवादी नेता जिसने जर्मनी और ब्रिटेन के बीच युद्ध को ऐसे ईश्वर प्रदत्त अवसर के रूप में देखा, जिसमें भारतीयों को उस स्थिति का अपने हित में लाभ उठाने का मौका मिलता — सुभाष चंद्र बोस

देशी रियासतें

- * 1927 की बटलर कमेटी का उद्देश्य था — भारत सरकार तथा देशी राज्यों के मध्य संबंधों को सुधारना
- * ऑल इंडिया स्टेट पीपुल्स कॉन्फ्रेंस का गठन हुआ — 1927 में
- * 1939 में भारत प्रजामंडल (ऑल इंडिया स्टेट्स पीपुल्स कॉन्फ्रेंस) के अध्यक्ष थे — जवाहरलाल नेहरू
- * वह भारतीय संघ में रजवाड़ों का विलय अधिकाधिक हुआ— 1947 में
- * राज्यों का विलयीकरण जिनके नेतृत्व में हुआ, वे थे — सरदार पटेल
- * अन्य रजवाड़ों के भारत में विलय के बाद भी जिन तीन राज्यों ने भारत में शामिल होना विलंबित किया, वह हैं — जूनागढ़, हैदराबाद, जम्मू व कश्मीर
- * जम्मू एवं कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बना — 26 अक्टूबर, 1947 को
- * भारतवर्ष के विभाजन के समय, ब्रिटिश-भारत के पंजाब, असम, बंगाल तथा बिहार में से वह प्रांत जिसने एक संयुक्त एवं स्वतंत्र अस्तित्व के लिए योजना सामने रखी — पंजाब ने
- * देशी राज्यों में से 'यथावत' (Stand-Still) समझौते का पक्षधर था — हैदराबाद

द्वितीय विश्व युद्ध

- * द्वितीय विश्व युद्ध के संबंध में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नीति थी
— पूर्ण स्वतंत्रता का आश्वासन मिलने पर ब्रिटेन को सहयोग
- * कथन (S) : द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अंग्रेजों को सहयोग प्रदान किया था।
कारण (R) : क्योंकि उन्हें पूर्ण स्वराज्य प्राप्त होने की आशा थी।
— (S), (R) दोनों असत्य हैं।
- * कथन (A) : वर्ष 1939 में सभी प्रांतों में कांग्रेस मंत्रिमंडलों ने त्यागपत्र दे दिया।
कारण (R) : कांग्रेस ने द्वितीय विश्व युद्ध के संदर्भ में वायसराय के जर्मनी के विरुद्ध युद्ध घोषित कर देने के निर्णय को स्वीकार नहीं किया।
— (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या है (A) की।
- * द्वितीय महायुद्ध समाप्त हुआ — 1945 में
- * द्वितीय विश्व युद्ध के समय ब्रिटेन का प्रधानमंत्री था — विंस्टन चर्चिल

पाकिस्तान की मांग

- * भारतीय मुसलमानों के पृथक राज्य के लिए पाकिस्तान शब्द का प्रयोग सबसे पहले किया — चौधरी रहमत अली व उनके मित्रों ने
- * मुसलमानों के लिए पृथक राष्ट्र का विचार दिया था
— सर मुहम्मद इकबाल ने
- * सर्वप्रथम भारत में एक पृथक मुस्लिम राज्य का प्रस्ताव रखा था
— मुहम्मद इकबाल ने
- * पाकिस्तान के अलग राज्य आंदोलन का नेतृत्व किया
— मुहम्मद अली जिन्ना ने
- * मुहम्मद अली जिन्ना को 'हिंदू मुस्लिम एकता का दूत' कहा था
— सरोजिनी नायडू ने
- * कथन, 'नेहरू एक राष्ट्रभक्त हैं, जबकि जिन्ना एक राजनीतिज्ञ हैं' व्यक्त किया गया था :
— सर मोहम्मद इकबाल द्वारा
- * मोहम्मद अली जिन्ना के विषय में सही कथन हैं—
— वे 'दो राष्ट्र सिद्धांत' के समर्थक थे, उन्होंने 1940 के मुस्लिम लीग के लाहौर के वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता की थी, असहयोग आंदोलन में उन्होंने भाग नहीं लिया था।
- * मुस्लिमों के लिए एक पृथक देश की प्रथम बार एक निश्चित अभिव्यक्ति हुई थी
— 1930 के मुस्लिम लीग के इलाहाबाद अधिवेशन के इकबाल के अध्यक्षीय भाषण में
- * मुस्लिम लीग द्वारा पाकिस्तान की स्थापना की मांग करने वाला प्रस्ताव पारित किया गया
— वर्ष 1940 में

- * वर्ष 1940 में मुस्लिम लीग के अधिवेशन में पाकिस्तान के सृजन का प्रस्ताव रखा था
— खलीकुज्जमां ने
- * मुस्लिम लीग का वार्षिक अधिवेशन, जिसमें जिन्ना के दो राष्ट्र के सिद्धांत को मान्यता दी गई थी, हुआ था
— लाहौर में
- * मुस्लिम लीग ने भारत के विभाजन की मांग का प्रस्ताव अपने अधिवेशन में किया था
— लाहौर में
- * वह तिथि, जब मुस्लिम लीग ने 'पाकिस्तान दिवस' मनाया था
— 23 मार्च, 1943
- * मुस्लिम लीग के लाहौर अधिवेशन (1940) की अध्यक्षता की थी
— मोहम्मद अली जिन्ना ने

व्यक्तिगत सत्याग्रह (1940)

- * 'व्यक्तिगत सत्याग्रह' में विनोबा भावे को प्रथम सत्याग्रही चुना गया था। दूसरे थे
— पंडित जवाहरलाल नेहरू
- * 'सर्वोदय' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किया था — महात्मा गांधी ने

क्रिप्स मिशन (1942)

- * भारत में क्रिप्स मिशन आया — 1942 में
- * ब्रितानिया सरकार के प्रस्तावों की प्रारूप घोषणा जो सर स्टैफोर्ड क्रिप्स लाए थे, में सम्मिलित थे
— भारत को एक डोमिनियन स्थिति दी जानी चाहिए; सब प्रांतों और राज्यों को मिलाकर एक भारतीय संघ होना चाहिए; कोई भी प्रांत या भारतीय राज्य भारतीय संघ के बाहर रहने का निर्णय ले सकता है; भारत का संविधान भारत की जनता द्वारा निर्मित किया जाए
- * 1942 के क्रिप्स मिशन का एक महत्वपूर्ण पहलू था
— द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत पश्चात भारत संघ की स्थापना करना और उसे डोमिनियन पद प्रदान करना
- * युद्ध समाप्त होने पर डोमिनियन दर्जा, संविधान सदन द्वारा निर्मित संविधान मान्य, कोई भी सूबा भारतीय संघ से बाहर रह सकता था
— क्रिप्स मिशन के संबंध में सही है
- * वह जिनकी दृष्टि में "क्रिप्स प्रस्ताव एक टूटते हुए बैंक के नाम एक उत्तर-दिनांकित चेक" (Post-dated cheque upon a crashing bank) था
— महात्मा गांधी की
- * वह प्रधानमंत्री जिसने भारत में क्रिप्स मिशन भेजा — विंस्टन चर्चिल
- * क्रिप्स मिशन के साथ कांग्रेस के आधिकारिक वार्ताकार थे
— पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं मौलाना आजाद
- * गांधीजी के आंदोलनों को 'राजनैतिक फिरोती' कहा
— लॉर्ड लिनलिथगो ने

भारत छोड़ो आंदोलन

- * 6 जुलाई, 1942 को वर्षा में महात्मा गांधीजी ने कांग्रेस की कार्यकारी समिति में अपने 'भारत छोड़ो आंदोलन' की चर्चा की, तब उस समिति के अध्यक्ष थे — मौलाना अबुल कलाम आजाद
- * 14 जुलाई, 1942 को कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन' का प्रस्ताव पारित किया गया — वर्षा में
- * भारत छोड़ो आंदोलन के समय भारत का प्रधान सेनापति था — लॉर्ड वेवेल
- * भारत छोड़ो आंदोलन प्रारंभ हुआ — 9 अगस्त, 1942 को
- * 'भारत छोड़ो आंदोलन' का प्रस्ताव बंबई के जिस मैदान में पारित किया गया, वह है — ग्वालिया टैंक
- * भारत छोड़ो आंदोलन प्रारंभ करने के पूर्व दिन महात्मा गांधी ने—
— राजसी रियासतों के राजाओं को अपनी जनता की प्रभुसत्ता स्वीकार करने को कहा।
- * यह कथन, "हम भारत को या तो आजाद करेंगे या आजादी के प्रयास में दिवंगत होंगे।" जुड़ा है — भारत छोड़ो आंदोलन से
- * 'करो या मरो' का नारा दिया — महात्मा गांधी ने
- * 'करो या मरो' का संबंध है — भारत छोड़ो आंदोलन से
- * बलदेव सहाय ने महाधिवक्ता के पद से त्यागपत्र दिया — 1942 में
- * भारत छोड़ो आंदोलन प्रारंभ किया गया — क्रिप्स प्रस्ताव की प्रतिक्रिया में
- * 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के संबंध में सत्य है — यह आंदोलन स्वतः प्रवर्तित था, इसने सामान्य श्रमिक वर्ग को आकर्षित नहीं किया था
- * भारत छोड़ो आंदोलन का नेतृत्व किया था — महात्मा गांधी ने
- * हिंदू महासभा, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया एवं यूनियनिस्ट पार्टी ऑफ पंजाब में से 'भारत छोड़ो आंदोलन' का समर्थन नहीं किया था — उपर्युक्त सभी पार्टियों ने
- * ए.के. आजाद, राजेंद्र प्रसाद, सरदार वल्लभभाई पटेल तथा जवाहरलाल नेहरू में से 1942 में 'भारत छोड़ो प्रस्ताव' का समर्थन किया था — सरदार वल्लभभाई पटेल ने
- * 1942 में कांग्रेस के बंबई अधिवेशन में 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव प्रस्तावित किया था — जवाहरलाल नेहरू ने
- * 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव का आलेख्य बनाया था — महात्मा गांधी ने
- * जब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 'भारत छोड़ो' आंदोलन प्रस्ताव पारित किया, कांग्रेस अध्यक्ष थे — मौलाना अबुल कलाम आजाद
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लगातार छः वर्षों तक अध्यक्ष थे — अबुल कलाम आजाद
- * 'भारत छोड़ो आंदोलन' फल था — क्रिप्स के प्रस्तावों से भारतीयों के नैराश्य का भारत पर जापानी आक्रमण की घमकी का ए.आई.सी.सी. द्वारा अगस्त, 1942 में एक प्रस्ताव पारित करने का
- * 'भारत छोड़ो' आंदोलन के समय 'कांग्रेस रेडियो' का प्रसारण किया — उषा मेहता ने
- * कांग्रेस रेडियो पर भारत छोड़ो आंदोलन की अवधि में नियमित रूप से कार्यक्रम प्रसारित करता था — राम मनोहर लोहिया
- * भारत छोड़ो आंदोलन के समय इंग्लैंड के प्रधानमंत्री थे — चर्चिल
- * अमेरिकी पत्रकार, जो महात्मा गांधी के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान उनके साथ थे, का नाम था — लुई फिशर
- * महात्मा गांधी का जीवनीकार लुई फिशर था — एक अमेरिकी पत्रकार
- * भारत छोड़ो आंदोलन से उत्पन्न दंगे सबसे अधिक व्यापक रहे — बिहार तथा संयुक्त प्रांत में
- * कथन (A) : लॉर्ड लिनलिथगो ने 1942 के अगस्त आंदोलन को, सिपाही विद्रोह के बाद, सर्वाधिक गंभीर विद्रोह कहा था।
कारण (R) : कुछ क्षेत्रों में किसान व्यापक जनांदोलन में उठ खड़े हुए थे।
— (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
- * डॉ. राजेंद्र प्रसाद को 9 अगस्त, 1942 को गिरफ्तार करके भेजा गया — बांकीपुर जेल
- * भारत छोड़ो आंदोलन के संदर्भ में महात्मा गांधी को बंदी बनाया गया — बंबई में
- * भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित होने के बाद गांधीजी को कैद किया गया था — आगा खां पैलेस में
- * 9 अगस्त, 1942 को जिन दो नेताओं (हजारीबाग में) को गिरफ्तार किया गया, वे थे — शिवकुमार और रामानंद
- * महात्मा गांधी तथा उनके सहयोगियों की 1942 में हुई धरपकड़ से बिहार में बहुत दंगे हुए। इसमें रेल सेवा पूर्ण रूप से ठप्प हो गई। उसमें अधिकतम प्रभावित जिला था — मुंगेर
- * जयप्रकाश नारायण को राष्ट्रीय स्तर के नेता की पहचान मिली — भारत छोड़ो आंदोलन के संदर्भ में
- * 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान जेल से फरार होकर भूमिगत गतिविधियों को संगठित किया था — जयप्रकाश नारायण ने
- * 7 दिसंबर, 1942 को श्री योगेंद्र शुक्ल लाए गए — पटना में
- * श्री जगत नारायण लाल की पत्नी का नाम था — श्रीमती रामप्यारी
- * कथन (A) : भारत छोड़ो आंदोलन से लोगों को जाग्रत करने और साहस दिलाने में सफलता मिली।
कारण (R) : 'करो या मरो' का नारा लोगों के मन में प्रवेश कर गया।
— (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

9 Aug. 2017 5:20 PM

सम-सामयिक घटना बक

* कथन (A) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन से पृथक रहा।

कारण (R) : इसका विचार था कि इस आंदोलन से भारत की स्वतंत्रता में देर होगी।

— (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है।

कथन (A) : भारत छोड़ो आंदोलन के परिणामस्वरूप अंग्रेज और मुसलमान कांग्रेस के प्रति समान घृणा के कारण एक-दूसरे के नजदीक आ गए।

कारण (R) : जिन्ना ने ब्रिटिश सरकार के पक्के सहयोगी की तरह कार्य किया और मुसलमानों को 1942 के कांग्रेस आंदोलन से दूर रहने के लिए कहा।

— (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

* स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जिस आंदोलन में अरुणा आसफ अली भूमिगत क्रिया कलाप की प्रमुख महिला संगठक थीं

— भारत छोड़ो आंदोलन में

* आंदोलन, जिसके साथ अरुणा आसफ अली जुड़ी हैं

— भारत छोड़ो आंदोलन

* 'भारत छोड़ो आंदोलन' में समांतर सरकारों की स्थापना की गई थी

— बलिया तथा सतारा में

* कथन (A) : 'भारत छोड़ो आंदोलन' भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की पराकाष्ठा थी।

कारण (R) : 'भारत छोड़ो आंदोलन' के पश्चात शक्ति हस्तांतरण की प्रक्रिया की खोज समय का तकाजा थी।

— (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

* भारत छोड़ो आंदोलन के उपरांत, सी. राजगोपालाचारी ने "दी वे आउट" नामक पैम्फलेट जारी किया। ब्रिटिश भारत तथा भारतीय राज्यों के प्रतिनिधियों को मिलाकर एक "युद्ध सलाहकार परिषद" की स्थापना। केंद्रीय कार्यकारी परिषद का इस प्रकार पुनर्गठन कि गवर्नर जनरल तथा कमांडर-इन-चीफ के अतिरिक्त अन्य सभी सदस्य भारतीय नेता हों। केंद्रीय तथा प्रांतीय विधानमंडलों के 1945 के अंत में नए चुनाव कराए जाए तथा संविधान का निर्माण करने वाले निकाय को यथासंभव शीघ्र आयोजित किया जाए। सैद्धान्तिक गतिरोध का हल। में से एक प्रस्ताव इस पैम्फलेट में था

— सैद्धान्तिक गतिरोध का हल

सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिंद फौज

* नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म हुआ था

— कटक में

* सुभाष चंद्र बोस ने 'फारवर्ड ब्लॉक' की स्थापना की थी

— 1939 ई. में

* आई.एन.ए. दिमाग की उपज थी और इसकी स्थापना की

— मोहन सिंह ने

* आई.एन.ए. मानसिक पुत्र था

— ज्ञानी प्रीतम सिंह तथा मेजर आईवाची फूजीवारा का

* भारतीय राष्ट्रीय सेना (I.N.A.) की स्थापना हुई

— 1942 में

* "आजाद हिंद फौज" के प्रथम सेनापति थे

— मोहन सिंह

* सुभाष चंद्र बोस ने स्वतंत्र भारत की अंतरिम सरकार की स्थापना की घोषणा की थी

— 21 अक्टूबर, 1943 को

* 1943 में आजाद हिंद फौज अस्तित्व में आई

— तत्कालीन मलाया में

* सुभाष चंद्र बोस को इंडियन नेशनल आर्मी के गठन में सक्रिय सहयोग दिया था

— रास बिहारी बोस ने

* 'आजाद हिंद फौज' का प्रधान कार्यालय स्थित था

— रंगून में

* "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा", कथन है

— सुभाष चंद्र बोस का

* 'द फ्री इंडियन लीजन' नामक सेना बनाई

— सुभाष चंद्र बोस ने

* 'रानी लक्ष्मीबाई रेजीमेंट' की स्थापना की

— सुभाष चंद्र बोस ने

* सुभाष चंद्र बोस को 'देश नायक' कहा था

— रबींद्रनाथ टैगोर ने

* 'जय हिंद' नारा दिया था

— सुभाष चंद्र बोस ने

* 'आजाद हिंद फौज दिवस' मनाया गया था—

— 12 नवंबर, 1945 को

* आजाद हिंद फौज के सैनिक को 7 वर्ष के कारावास का दंड दिया गया

— राशिद अली द्वारा

* गुरदयाल सिंह, प्रेम सहगल, मोहन सिंह, शाहनवाज़ में से आजाद हिंद फौज का वह अधिकारी जिसने लाल किले पर चलाए गए मुकदमे का सामना नहीं किया

— मोहन सिंह ने

* 1945 में आजाद हिंद फौज की ओर से लाल किले के मुकदमे में पैरवी कर रहे वकीलों की अध्यक्षता की

— भूलाभाई देसाई ने

* वर्ष 1945 में आजाद हिंद फौज के लाल किले में दिल्ली के मुकदमे की पैरवी भूलाभाई देसाई, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल तथा डॉ. कैलाश नाथ काटजू में से नहीं की थी

— सरदार वल्लभभाई पटेल ने

* इलाहाबाद में संपन्न कांग्रेस कार्यकारिणी समिति की बैठक में, भारत के नाजीवाद, फासीवाद तथा साम्राज्यवाद विरोधी निश्चित रुख के कारण जापान के विरुद्ध गुरिल्ला युद्ध की अपनी योजना के पक्ष में बहुमत जुटाने में सक्षम हुए

— जवाहरलाल नेहरू

कैबिनेट मिशन योजना (1946)

* कैबिनेट मिशन की अध्यक्षता की गई

— सर पी. लॉरेंस द्वारा

* द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1946 में भारत आया था

— कैबिनेट मिशन

* भारत के लिए त्रिस्तरीय शासन व्यवस्था का प्रस्ताव किया था

— कैबिनेट मिशन ने

सम-सामयिक घटना चक्र

- * 1946 का कैबिनेट मिशन तीन कैबिनेट मंत्रियों से गठित था। लॉर्ड पेंथिक लॉरेंस, ए.वी. अलेक्जेंडर, सर स्टैफोर्ड क्रिप्स तथा लॉर्ड एमरी में से इसका सदस्य नहीं था — **लॉर्ड एमरी**
- * इसका प्रस्ताव मई में आया। इसमें अभी भी भारत को विभाजन मुक्त रखने की आकांक्षा थी जिसका ब्रिटिश प्रांतों से मिलकर बने एक संघीय राज्य का स्वरूप होना था-उपर्युक्त उद्धरण का संबंध है — **कैबिनेट मिशन से**
- * कैबिनेट मिशन योजना के विषय में प्रांतीय समूहीकरण, भारतीय सदस्यों वाला अंतरिम मंत्रिमंडल, पाकिस्तान की स्वीकृति तथा संविधान निर्माण का अधिकार में से सही नहीं है — **पाकिस्तान की स्वीकृति**
- * वह जिसने वायसराय की एक्जीक्यूटिव काउंसिल के पुनर्गठन का सुझाव दिया, जिसमें वॉर मेंबर सहित सभी विभाग भारतीय नेताओं द्वारा धारण किए जाने थे — **कैबिनेट मिशन 1946**
- * कैबिनेट मिशन के संदर्भ में, सही है — **इसने एक संघीय सरकार के लिए सिफारिश की।**
- * महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल तथा मौलाना अबुल कलाम आजाद में से कांग्रेस का वह नेता जो कैबिनेट मिशन योजना के पक्ष में पूरी तरह से था — **महात्मा गांधी**
- * वह कांग्रेस अध्यक्ष जिसने क्रिप्स मिशन व लॉर्ड वेवेल दोनों से वार्ताएं कीं — **अबुल कलाम आजाद**
- * कैबिनेट मिशन के भारत आगमन के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष थे — **मौलाना अबुल कलाम आजाद**

संविधान सभा (1946)

- * स्वतंत्र भारत के लिए संविधान की रचना हेतु संविधान सभा का विचार सर्वप्रथम प्रस्तुत किया था — **कांग्रेस पार्टी ने 1936 में**
- * संविधान सभा, जिसने भारतीय संविधान का निर्माण किया, का गठन किया गया था — **कैबिनेट मिशन प्लान के अंतर्गत**
- * कैबिनेट मिशन योजना के अंतर्गत संविधान निर्मात्री परिषद में प्रत्येक प्रांत को आवंटित सदस्य संख्या निर्धारित करने के लिए एक प्रतिनिधि जनसंख्या के अनुपात में था — **10 लाख व्यक्ति**
- * संविधान सभा का पहला सत्र हुआ था — **9 दिसंबर, 1946 को**
- * भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष थे — **डॉ. राजेंद्र प्रसाद**
- * भारतीय उपनिवेश के लिए प्रभुसत्तासंपन्न संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष थे — **राजेंद्र प्रसाद**
- * 1. वर्ष 1946 में प्रांतीय सभाओं द्वारा भारत की संविधान सभा चुनी गई।
- 2. जवाहरलाल नेहरू, एम.ए. जिन्ना और सरदार वल्लभभाई पटेल भारत की संविधान सभा के सदस्य थे।

- 3. भारत की संविधान सभा (Constitutional Assembly) का प्रथम अधिवेशन (First Session) जनवरी, 1947 में हुआ।
- 4. भारत का संविधान 26 जनवरी, 1950 को अंगीकृत (Adopted) किया गया। में से एक सही है — **केवल-1**
- * सच्चिदानंद सिन्हा जुड़े थे — **भारत छोड़ो आंदोलन से**
- * ब्रिटिश युग की केंद्रीय लेजिस्लेटिव असेम्बली तथा स्वतंत्र भारत की संसद में अध्यक्ष का पद संभाला — **जी.बी. मावलंकर ने**

अंतरिम सरकार का गठन (1946)

- * पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हुआ था — **सितंबर, 1946 में**
- * 1946 में बनी अंतरिम सरकार में डॉ. राजेंद्र प्रसाद के पास विभाग था — **खाद्य तथा कृषि**
- * अंतरिम सरकार (1946) में रेल मंत्रालय का कार्य देखते थे — **आसफ अली**
- * जब 1946 में भारतीय मुस्लिम लीग को अंतरिम सरकार में सम्मिलित किया गया, तब लियाकत अली खां को जो विभाग दिया गया, वह था — **वित्त**
- * जवाहरलाल नेहरू, बलदेव सिंह, अली जहीर तथा बी.आर. अम्बेडकर में से 'अंतरिम सरकार' के सदस्य नहीं थे — **बी.आर. अम्बेडकर**
- * जवाहरलाल नेहरू, लियाकत अली खां, अबुल कलाम आजाद तथा डॉ. राजेंद्र प्रसाद में से सितंबर 2, 1946 को गठित अंतरिम सरकार में मंत्री नहीं थे — **अबुल कलाम आजाद**
- * 1946 के चुनाव के पश्चात मुस्लिम लीग ने अपनी सरकार बनाई — **बंगाल में**
- * मुस्लिम लीग ने "सीधी कार्यवाही दिवस" हेतु तिथि सुनिश्चित की थी — **16 अगस्त, 1946**

भारत का विभाजन एवं स्वतंत्रता

- * जब भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी उस समय यू.के. में जिस पार्टी की सत्ता थी — **लेबर पार्टी की**
- * भारत के स्वतंत्र होते समय इंग्लैंड का प्रधानमंत्री था — **क्लीमेंट एटली**
- * ब्रिटिश सरकार ने जून, 1948 तक भारत छोड़ने की घोषणा की थी — **फरवरी, 1947 में**
- * लॉर्ड माउंटबेटन वायसराय के रूप में भारत आए — **यथासंभव भारत को संयुक्त रखने की विशेष हिदायत के साथ**

सम-सामयिक घटना बक

- * भारतीय स्वतंत्रता का आधार बनी — माउंटबेटन योजना
- * माउंटबेटन योजना आधार बनी — देश के विभाजन की
- * 'भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम' (द इंडियन इंडिपेंडेंस एक्ट) ब्रिटिश संसद द्वारा पारित किया गया — जुलाई, 1947 में
- * भारत के विभाजन से संबंधित 'माउंटबेटन योजना' की सरकारी तौर पर घोषणा हुई थी — 3 जून, 1947 को
- * कथन (A) : अंग्रेजों ने भारत को 1947 में स्वतंत्रता प्रदान कर दी।
कारण (R) : अंग्रेज द्वितीय विश्व युद्ध में निर्बल हो चुके थे।
- (A) तथा (R) दोनों सही हैं किंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- * कथन (A) : स्वतंत्र भारत में ब्रिटेन की प्रभुता बनी रही।
कारण (R) : स्वतंत्र भारत के गवर्नर जनरल की नियुक्ति ब्रिटेन के प्रभुतासंपन्न शासक ने की।
- (A) गलत है, परंतु (R) सही है।
- * भारतीय स्वाधीनता विधेयक को राजकीय स्वीकृति प्राप्त हुई थी — 18 जुलाई, 1947 को
- * भारत के विभाजन का बाल्कन प्लान (Balkan Plan) उपज था — लॉर्ड माउंटबेटन के मस्तिष्क का
- * 1947 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस देश के विभाजन के लिए मुख्य रूप से इसलिए सहमत हुई, क्योंकि — वे बड़े पैमाने पर संभावित सांप्रदायिक दंगों को बचाना चाहते थे
- * कथन (A) : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने माउंटबेटन योजना को स्वीकार किया।
कारण (R) : वह द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को मानती थी।
- (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
- * भारत के विभाजन के विकल्प के रूप में गांधीजी ने माउंटबेटन को सुझाया था कि वे— जिन्ना को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करें।
- * रैडक्लिफ समिति नियुक्त की गई थी — भारत और पाकिस्तान के बीच सीमाओं को निर्धारित करने के लिए
- * भारत विभाजन के संदर्भ में 1947 में नियुक्त सीमा आयोग की अध्यक्षता की थी — रेडक्लिफ ने
- * भारत के विभाजन को टालने का अंतिम अवसर समाप्त हो गया था — कैबिनेट मिशन को अस्वीकार करने के साथ ही
- * 14 जून, 1947 को कांग्रेस के दिल्ली अधिवेशन में भारत के विभाजन का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ। इस अधिवेशन के अध्यक्ष थे — आचार्य जे.बी. कृपलानी
- * नई दिल्ली में 1947 में आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की बैठक में गोविंद वल्लभ पंत, सरदार वल्लभभाई पटेल, जे.बी. कृपलानी तथा अबुल कलाम आज़ाद में से विभाजन के प्रस्ताव का समर्थन किया था — अबुल कलाम आज़ाद ने
- * 1947 के कांग्रेस कमेटी की बैठक द्वारा विभाजन के प्रस्ताव के पारित होने को 'राष्ट्रवाद का संप्रदायवाद के पक्ष में समर्पण' के रूप में लिया — डॉ. किचलू ने
- * सन् 1947 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दिल्ली अधिवेशन की अध्यक्षता की — जे.बी. कृपलानी ने
- * अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की 14 जून, 1947 को संपन्न हुई बैठक में भारत-विभाजन के विपक्ष में मतदान किया था — खान अब्दुल गफ्फार खां ने
- * 14/15 अगस्त, 1947 की मध्य रात्रि को अंतरिम संसद के रूप में सत्ता ग्रहण की — संविधान सभा
- * 14/15 अगस्त, 1947 की मध्य रात्रि केंद्रीय असेम्बली में इकबाल का गीत 'हिंदोस्तां हमारा' तथा 'जन-गण-मन' गाया — एम.एस. सुबालक्ष्मी ने
- * पहले अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री की नियुक्ति की थी — गवर्नर जनरल ने
- * स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल थे — लॉर्ड माउंटबेटन
- * स्वतंत्र भारत का अंतिम गवर्नर जनरल था — सी. राजगोपालाचारी
- * स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय गवर्नर जनरल थे — राजगोपालाचारी
- * भारत के प्रथम एवं अंतिम भारतीय गवर्नर जनरल थे — सी. राजगोपालाचारी
- * भारत का अंतिम वायसराय था — लॉर्ड माउंटबेटन
- * स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि मंत्री थे — बी.आर. अम्बेडकर
- * बिल्कुल प्रारंभ से भारत के राष्ट्रपति के पद पर आसीन व्यक्तियों का सही क्रम है — राजेंद्र प्रसाद, एस. राधाकृष्णन, जाकिर हुसैन, वी.वी. गिरि
- * लॉर्ड माउंटबेटन की अध्यक्षता में बनी विभाजन परिषद में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया था — जवाहरलाल नेहरू तथा सरदार पटेल ने
- * भारत के विभाजन के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष थे — जे.बी. कृपलानी
- * 15 अगस्त, 1947 को राजेंद्र प्रसाद, जवाहरलाल नेहरू, जे.बी. कृपलानी तथा सरदार पटेल में से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष था — जे.बी. कृपलानी
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1946 में मेरठ में आयोजित अधिवेशन की अध्यक्षता की थी — जे.बी. कृपलानी ने
- * अगस्त, 1947 में स्वतंत्रता दिवस के समारोहों में कहीं भी सम्मिलित नहीं हुए — महात्मा गांधी
- * संविधान को 26 जनवरी के दिन लागू करने का निर्णय इसलिए किया गया, क्योंकि — कांग्रेस ने इस तिथि को 1930 में स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया था
- * "भारतीय राष्ट्रवाद ब्रिटिश राज का शिशु था।" यह कथन है — आर. कोपलैंड का
- * "ब्रिटिश शासन की सबसे अधिक महत्वपूर्ण उपलब्धि भारत का एकीकरण था।" कहा है — के.एम. पणिकर ने

भारत का सैवधानिक विकास

- * रेग्युलेटिंग एक्ट पारित किया गया — 1773 में
- * प्रथम बार गवर्नर जनरल ऑफ बंगाल के पद हेतु प्राविधान किया गया था
रेग्युलेटिंग अधिनियम, 1773
- * रेग्युलेटिंग एक्ट के प्रावधानों के अंतर्गत, बिहार के लिए एक प्रांतीय सभा की स्थापना हुई — 1774 में
- * भारत में सर्वप्रथम सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना हुई
— रेग्युलेटिंग अधिनियम, 1773
- * ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा स्थापित उच्चतम न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश थे — एलिजाह इम्मे
- * भारत के गवर्नर जनरल को एक्ट के द्वारा अपनी समिति के निर्णय को अस्वीकार करने का अधिकार मिला — 1786 ई. का एक्ट
- * अधिनियम जिसके तहत लॉर्ड कार्नवालिस को अपनी काउंसिल के फैसलों को रद्द करने का अधिकार मिला था — 1786 का एक्ट
- * 1793 में एक विनियम द्वारा जिला कलेक्टर को उसकी न्यायिक शक्तियों से वंचित कर दिया गया और केवल संग्राहक अभिकर्ता बना दिया गया। ऐसे विनियमन का कारण था
— लॉर्ड कार्नवालिस जिला कलेक्टर में संकेंद्रित इतनी विस्तृत शक्ति से सतर्क हो गया था और महसूस करता था कि एक व्यक्ति में इतनी परम शक्ति का होना अवांछनीय है।
- * भारतीय व्यापार में ईस्ट इंडिया कंपनी का एकाधिकार समाप्त किया गया — 1813 में
- * चार्टर अधिनियम 1813 भारत के लिए महत्वपूर्ण समझे जाने का एक कारण है
— इसके द्वारा भारतीयों की शिक्षा के लिए वित्तीय प्रावधान किया गया।
- * चार्टर एक्ट, 1833 में ईस्ट इंडिया कंपनी की व्यापारिक गतिविधियों का समापन, काउंसिल में परम सत्ताधिकारी के पदनाम को भारत के गवर्नर जनरल के पदनाम में बदलना, काउंसिल में तथा गवर्नर जनरल को विधिकर्ता की सभी शक्तियां प्रदान करना तथा गवर्नर जनरल की काउंसिल में विधि सदस्य के रूप में एक भारतीय की नियुक्ति प्रावधानों में से एक नहीं था
— गवर्नर जनरल की काउंसिल में विधि सदस्य के रूप में एक भारतीय की नियुक्ति
- * 'लोक सेवाओं की परीक्षा इंग्लैंड तथा भारत में एक साथ करने की संस्तुति की गई थी — मांटैग्यू चेम्सफोर्ड रिपोर्ट द्वारा
- * नागरिक सेवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली को सिद्धांततः स्वीकार किया गया — 1853 में
- * पहली बार भारत में एक क्रियाशील विधान परिषद का सृजन किया — चार्टर एक्ट, 1853 द्वारा

- * ब्रिटिश सरकार अंतिम रूप से भारत एवं इंग्लैंड में एक ही समय साथ-साथ इंडियन सिविल सर्विसेज (आई.सी.एस.) की परीक्षा आयोजित करने हेतु सहमत हुई थी — 1922 में

- * सही सुमेलित है—

सूची-I

नियंत्रण परिषद की स्थापना

सूची-II

पिट का भारतीय अधिनियम, 1784

सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना

नियामक अधिनियम, 1773

ईसाई मिशनरियों को भारत में

चार्टर अधिनियम, 1813

कार्य करने की अनुमति

गवर्नर जनरल परिषद में कानूनी

चार्टर अधिनियम, 1833

सदस्य की नियुक्ति

- * सही सुमेलित है—

सूची-I

(भारत की उपनिवेशीय)

सूची-II

(सरकार के अधिनियम प्रावधान)

चार्टर एक्ट, 1813

— भारत में कंपनी का व्यापार एकाधिकार समाप्त कर दिया गया

रेग्युलेटिंग एक्ट, 1773

— कंपनी के निदेशकों को कंपनी के प्रबंध से संबंधित सभी पत्राचार और दस्तावेज ब्रिटिश सरकार को प्रस्तुत करने को कहा गया

एक्ट ऑफ 1858

— शासन का अधिकार ईस्ट इंडिया कंपनी से ब्रिटिश क्राउन को हस्तांतरित कर दिया गया

पिट्स इंडिया एक्ट, 1784

— भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के कार्यों को पूरी तरह विनियमित करने के लिए ब्रिटेन में एक बोर्ड ऑफ कंट्रोल स्थापित करना

- * बोर्ड ऑफ कंट्रोल की स्थापना जिस अधिनियम के अंतर्गत की गई — पिट्स इंडिया अधिनियम, 1784

- * ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने चाय के व्यापारिक एकाधिकार को खो दिया — 1833 के चार्टर एक्ट द्वारा

- * भारत का शासन ईस्ट इंडिया कंपनी से क्राउन को स्थानांतरित किया गया — 1858 के भारत सरकार अधिनियम के अंतर्गत

- * सही कथन है—

— गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1858 के अंतर्गत ब्रिटिश संसद ने ईस्ट इंडिया कंपनी को पूर्णतः समाप्त कर भारत में सीधा शासन करने का उत्तरदायित्व ग्रहण किया

- * भारत के गवर्नर जनरल को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान की गई — इंडियन काउंसिल्स एक्ट, 1861 द्वारा

- * अधिनियम जिसमें सामूहिक कार्यचालन के स्थान पर "विभाग" या विभागीय पद्धति द्वारा वायसराय की कार्यकारी परिषद पर उनके प्राधिकार को और बल प्रदान किया — इंडियन काउंसिल एक्ट, 1861

सम-सांगिक घटना बक

- * भारतीय विधान परिषद को बजट पर बहस करने की शक्ति प्राप्त हुई
— भारतीय परिषद अधिनियम, 1892 द्वारा
- * अंग्रेजों ने भारत में सर्वप्रथम परोक्ष निर्वाचन प्रणाली की शुरुआत की
— 1892 में
- * भारत में मीडिया को नियंत्रित करने के लिए 'एक्ट' लिए गए थे
— 1835, 1867, 1878, 1908
- * बॉम्बे, मद्रास और कलकत्ता में उच्च न्यायालयों की स्थापना हुई
— 1861 में
- * भारत में ब्रिटेन के सभी संवैधानिक प्रयोगों में से सबसे कम समय तक चला
— 1909 का इंडियन काउंसिल एक्ट
- * 20 अगस्त, 1917 के सुधारों की घोषणा को जाना जाता है
— मांटेग्यू घोषणा के नाम से
- * मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड की रिपोर्ट
— भारत सरकार अधिनियम, 1919 का आधार बनी
- * प्रांतों में द्वैध शासन प्रणाली (Dyarchy) अधिनियम के अंतर्गत लागू की गई थी
— 1919 में
- * मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड प्रस्ताव संबंधित थे
— सांविधानिक सुधार से
- * भारत सरकार अधिनियम, 1919 ने स्पष्ट रूप से परिभाषित किया
— केंद्रीय एवं प्रांतीय सरकारों की अधिकारिता को
- * द्वैध शासन प्रणाली लागू करने वाला एक्ट आया था
— 1919 में
- * यह अधिनियम मार्ले-मिटो सुधार अधिनियम के नाम से भी जाना जाता है; इस अधिनियम में केंद्रीय एवं प्रांतीय विषयों को अलग कर दिया गया था; भारत सरकार अधिनियम, 1919, 1921 में लागू हुआ तथा मांटेग्यू भारत के राज्य सचिव एवं लॉर्ड चेम्सफोर्ड भारत के वायसराय थे। भारत सरकार अधिनियम 1919 के बारे में असत्य कथन है
— यह अधिनियम मार्ले-मिटो सुधार अधिनियम के नाम से भी जाना जाता है।
- * कथन (A) : भारत सरकार अधिनियम, 1919 के प्रवर्तन के साथ शासन का ढांचा और उसकी विशेषताएं एकात्मक और केंद्रीय ही रहें।
कारण (R) : सत्ता का एक बड़ा भाग प्रांतों को प्रत्यायोजित किया गया था।
— (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
- * कथन (A) : द्विशासन का अर्थ प्रशासन के विषयों का दो वर्गों में विभाजन था।
कारण (R) : प्रांतों में उत्तरदायी शासन के बोध का प्रवर्तन कराने का प्रयत्न किया गया था।
— दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
- * भारत सरकार अधिनियम, 1935 आधारित था
— साइमन कमीशन रिपोर्ट पर
- * 1935 के भारत सरकार अधिनियम की विशेषताएं थी
— गवर्नरी प्रांतों में द्वैध शासन की समाप्ति (Abolition of Diarchy in States); गवर्नरों को विधायी क्रियाओं में निषेधाधिकार (वीटो) की शक्ति तथा स्वयं द्वारा विधि बनाना
- * भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने समाप्त की
— प्रांतीय द्वैध शासन व्यवस्था को
- * गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 में
— प्रांतीय स्वशासन का उपबंध था; एक संघीय न्यायालय (फेडरल कोर्ट) की स्थापना का उपबंध था; केंद्र में अखिल भारत संघ का उपबंध था।
- * 1935 का गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट महत्वपूर्ण है
— यह भारतीय संविधान का प्रमुख स्रोत है
- * 1935 के भारत सरकार अधिनियम की केंद्र में, साथ ही साथ राज्यों में द्वैध शासन, द्विसदनी विधानमंडल, प्रांतीय स्वायत्तता तथा एक अखिल भारतीय संघ में से एक वैशिष्ट्य-युक्त नहीं है
— केंद्र में, साथ ही साथ राज्यों में द्वैध शासन
- * 1935 के भारत अधिनियम द्वारा प्रस्तावित फेडरल यूनियन में राजसी प्रांतों को शामिल करने के पीछे अंग्रेजों की असली मंशा थी—राष्ट्रवादी नेताओं के साम्राज्यवाद-विरोधी सिद्धांतों को व्यर्थ करने के लिए राजाओं का इस्तेमाल करना
- * 1935 के अधिनियम के बारे में कहा था, "एक कार जिसमें ब्रेक तो है पर इंजन नहीं"
— जवाहरलाल नेहरू ने
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने अधिवेशन में भारत सरकार अधिनियम, 1935 को अस्वीकार किया था
— लखनऊ अधिवेशन, 1936 में
- * भारत सरकार अधिनियम, 1935 को "गुलामी का अधिकार-पत्र" कहा था
— जवाहरलाल नेहरू ने
- * भारत सरकार अधिनियम, 1935 में अंतर्विष्ट 'अनुदेश-प्रपत्र (इंस्ट्रूमेंट ऑफ इंस्ट्रक्शंस)' को वर्ष 1950 में भारत के संविधान में समाविष्ट किया गया
— राज्य की नीति के निदेशक तत्व के रूप में
- * यह कहा—'मुझे इस आरोप के संबंध में कोई क्षमा नहीं मांगनी है कि संविधान के प्रारूप में गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 के एक बड़े भाग को पुनः उत्पादित कर दिया गया है
— डॉ. बी.आर. अम्बेडकर
- * सही सुमेलित है—
सूची-I
दि रेग्युलेटिंग एक्ट, 1773
भारतीय परिषद अधिनियम, 1909
भारतीय सरकार अधिनियम, 1919
भारत सरकार अधिनियम, 1935
सूची-II
- सुप्रीम कोर्ट की स्थापना
- सांप्रदायिक निर्वाचन मंडल का प्रारंभ
- द्वैध शासन का प्रारंभ
- प्रदेशों की स्वायत्तता के लिए प्रावधान

आधुनिक इतिहास : विविध

- * सही कथन हैं—
— रेग्युलेटिंग एक्ट, 1773 द्वारा कलकत्ता में उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) स्थापित किया गया; भारतीय दंड संहिता वर्ष 1860 में लागू हुई।
- * 19वीं शताब्दी में देश जिसका भारत की ओर विस्तार का डर एंग्लो-अफगान संबंधों का आधार था — रूस
- * सही सुमेलित है—

सूची I (वर्ष)	सूची II (घटना)
1775	- प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध
1780	- द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध
1824	- प्रथम आंग्ल-बर्मा युद्ध
1838	- प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध
- * सही सुमेलित है—

पुनः जजिया लगाना	- फर्रुखसियर
मसूलीपट्टम पर अधिकार	- फोर्ड
सती प्रथा निषेध अधिनियम	- लॉर्ड विलियम बेंटिक
दासता का अंत	- लॉर्ड एलनबरो
- * भारत के संदर्भ में शासन में पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण प्रायः संबंधित माना जाता है — थॉमस मुनरो
- * भारत में उन्नीसवीं शताब्दी में पड़े अकाल को 'प्रकोप का समुद्र' (सी ऑफ कैलेमिटी) कहा गया है — उड़ीसा अकाल, 1866-67 को
- * भारतीय दुर्भिक्ष संहिता, 1883 का निर्माण किया था— स्ट्रेची आयोग ने
- * सही सुमेलित है—

1767-69 ई.	- प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध
1790-92 ई.	- तृतीय मैसूर युद्ध
1824-26 ई.	- प्रथम आंग्ल-बर्मा युद्ध
1845-46 ई.	- प्रथम आंग्ल-सिक्ख युद्ध
- * सही कालानुक्रम है
— ड्रेमेटिक परफार्मेंस-वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट-बंगाल टेनेसी एक्ट-नार्थ-वेस्टर्न प्रोविंसेज एंड अवघ एक्ट
- * सही सुमेलन हैं—

बाल विवाह	- एम.जी. रानाडे
ठगी प्रथा का अंत	- कर्नल स्लीमैन
विधवा पुनर्विवाह	- ईश्वरचंद विद्यासागर
पिंडारियों का दमन	- लॉर्ड हेस्टिंग्स
- * सही कथन है—
— कुंवर सिंह ने अंग्रेजों के विरुद्ध बिहार में संघर्ष का नेतृत्व किया जबकि 1857 के प्रथम घेतना संग्राम में खान बहादुर खान ने रुहेलखंड में नेतृत्व किया; मुस्लिम लीग ने 22 दिसंबर, 1939 को

मुक्ति दिवस मनाया था; तात्या टोपे ने नाना साहब की सहायता हेतु कानपुर में फौजों का नेतृत्व संभाला था एवं जीनत महल ने फैजाबाद में इसकी कमान संभाली।

- * THE MARVELOF THE CENTURY
THE WONDER OF THE WORLD
LIVING PHOTOGRAPHIC PICTURES
IN
LIFE-SIZED REPRODUCTIONS
CINEMATOGRAPHIE
A FEW EXHIBITIONS WILL BE GIVEN
AT
WATSON'S HOTEL
TONIGHT

उपर्युक्त विज्ञापन 'टाइम्स ऑफ इंडिया' में छपा था

— 7 जुलाई, 1896

- * "ब्रिटिश सरकार भारत के विभाजन के लिए उत्तरदायी नहीं है।" कथन का श्रेय दिया जाता है — लॉर्ड एटली को
- * "राजनैतिक स्वतंत्रता राष्ट्र का जीवन श्वास है" कहा था — अरविंद घोष ने
- * 'New Lamps for Old' लेख-शृंखला (1893-94) में 'सर्वहारा-वर्ग' के साथ संपर्क से बाहर होने के लिए कांग्रेस की आलोचना की गई थी। इन लेखों के लेखक थे — अरविंद घोष
- * दो नेताओं ने भारत में दौरा कर सामाजिक उत्थान का कार्य किया — गांधी, तिलक
- * पहले अध्यक्ष ने औपचारिक 'विग' त्यागकर गांधी टोपी पहनकर सदन की अध्यक्षता की — जी.वी. मावलंकर ने
- * भारतीय संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मृत्यु हुई थी — 6 दिसंबर, 1956 ई.
- * 2016 में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की पुण्य तिथि थी — 61वीं
- * प्रसिद्ध भारतीय 'गुरुदेव' के नाम से जाने जाते थे— रबींद्रनाथ टैगोर
- * रबींद्रनाथ टैगोर की मृत्यु हुई थी — 1941
- * रबींद्रनाथ टैगोर को 'महान प्रहरी' कहा था — महात्मा गांधी ने
- * रबींद्रनाथ टैगोर के विषय में सत्य है — उन्होंने प्राचीन भारत और उसकी संस्कृति का गौरवगान किया। उन्होंने शिवाजी और गुरु गोविन्द सिंह को राष्ट्र निर्माता के रूप में देखा।
उनके अनेक गीतों में मराठों के बहादुरी का खंडन है।
- * 'जय जवान, जय किसान' का नारा दिया — लाल बहादुर शास्त्री ने
- * "आजादी हमारी पहुंच के अंतर्गत है, हमें इसे कस कर पकड़ना चाहिए" कहा था — महात्मा गांधी ने
- * "भारत की मुक्ति महात्मा गांधी के नेतृत्व में नहीं होगी" यह लिखा था — सुभाष चंद्र बोस ने

सम-सामयिक घटना बक

- * "प्रत्येक वस्तु प्रतीक्षा कर सकती है, परंतु कृषि नहीं।"
 - कथन का श्रेय दिया जाता है — जवाहरलाल नेहरू को
- * बंबई में पहली भारतीय कपड़ा मिल की स्थापना हुई थी
 - 1854 में
- * "राजा जनता के लिए बने हैं; जनता राजा के लिए नहीं बनी है",
 - राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान यह वक्तव्य दिया था
 - दादामाई नौरोजी ने
- * भारत में बॉय स्कॉट (बालचर) और सिविल गाइड आंदोलन का जन्मदाता था
 - बेडेन पॉवेल
- * भारत के स्वतंत्रता से संबंधित कथन सही है-
 - रौलट एक्ट से सार्वजनिक रोष की एक लहर उमड़ी जिसके फलस्वरूप जलियांवाला बाग जनसंहार हुआ; सुभाष चंद्र बोस ने फारवर्ड ब्लॉक गठित किया था; भगत सिंह हिंदुस्तान रिपब्लिकन सोशलिस्ट एसोसिएशन के संस्थापकों में से एक थे।
- * "मैं एक समाजवादी और गणतंत्रवादी हूँ और मुझे राजाओं और राजकुमारों में विश्वास नहीं है।" यह वक्तव्य संबंधित है
 - जवाहरलाल नेहरू से
- * भारत में साम्यवाद का उच्चतम पुजारी कहा गया है
 - जवाहरलाल नेहरू को
- * जवाहरलाल नेहरू का जीवनीकार है
 - फ्रैंक मोरेस
- * राजनीतिक विरोध प्रदर्शन के बॉयकाट, घेराव, बंध तथा हड़ताल चार रूपों में से उस व्यक्ति के नाम पर आधारित है जिसने सर्वप्रथम इसका उपयोग राजनीतिक हथियार के रूप में किया
 - बॉयकाट
- * सही कथन हैं-
 - आर्य समाज की स्थापना 1875 में हुई थी।; 'अल हिलाल' को मौलाना अबुल कलाम आजाद ने प्रकाशित किया था।; कलकत्ता के प्रसिद्ध प्रेसीडेंसी कॉलेज (पूर्व हिंदू कॉलेज) की स्थापना राजा राममोहन राय ने की थी।
- * चंपारन आंदोलन, असहयोग आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन तथा दांडी मार्च घटनाओं में से कालक्रम के अनुसार तीसरे स्थान पर आती है
 - दांडी मार्च
- * भारतीय राजनीति में 1947 के बाद महिला ने सर्वाधिक योगदान दिया
 - अरुणा आसफ अली
- * "हम बहुत बड़ी भूल करेंगे यदि हम बिहार की जनता और उनके मंत्रिमंडल को लीग के नेताओं के हिंसक व असभ्य आक्रमणों के आगे आरक्षित छोड़ देंगे।" वर्ष 1946 में यह बात की
 - सरदार पटेल ने
- * 1921 में पहली बार 'पूर्ण स्वतंत्रता' की मांग को उठाया
 - मौलाना हसरत मोहानी
- * भारत विभाजन के लिए मोहम्मद अली जिन्ना को सर्वाधिक उत्तरदायी ठहराया है
 - लॉर्ड माउंटबेटन ने
- * 31 दिसंबर, 1928 को दिल्ली में हुए सर्वदलीय मुस्लिम सम्मेलन की अध्यक्षता की थी
 - आगा खां
- * अगस्त, 1923 के बनारस हिंदू महासभा के अधिवेशन की अध्यक्षता की
 - पंडित मदन मोहन मालवीय ने
- * भारत की कम्युनिस्ट पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के क्रमशः सबसे करीबी वर्ष हैं
 - 1925, 1925
- * 'फ्रंटियर गांधी' का असली नाम है
 - अब्दुल गफ्फार खान
- * अंग्रेजों के विरुद्ध खान अब्दुल गफ्फार खान द्वारा प्रारंभ किए गए आंदोलन का नाम था
 - लाल कुर्ती (रेड शर्ट)
- * डॉ. बी.आर. अम्बेडकर पर यह कहकर आक्रमण किया "अम्बेडकर को उदार ब्रिटिश सरकार द्वारा थोपा गया नेतृत्व प्राप्त हुआ था क्योंकि उनकी सेवाएं राष्ट्रवादी नेताओं को बाधा पहुंचाने के लिए आवश्यक थीं"
 - डॉ.बी.एस. मुंजे
- * त्रिपुरा की देशी रियासत स्वतंत्रता आंदोलन में बीसवीं सदी के प्रारंभ में शामिल हुई क्योंकि
 - बंगाल के क्रांतिकारी त्रिपुरा में आश्रय लिए हुए थे
- * राजेंद्र प्रसाद रहने वाले थे
 - बिहार के
- * महान कवि रबींद्रनाथ टैगोर एक महान चित्रकार के रूप में उभरे जब उनकी आयु थी लगभग
 - सत्तर वर्ष
- * जगत नारायण लाल को जेल में भेजा गया
 - हजारीबाग जेल
- * कस्तूरबा एवं महादेव देसाई की सनाधियां स्थित हैं
 - आगा खां पैलेस, पूना में
- * कांग्रेस के आधिकारिक इतिहास के रचयिता थे
 - पट्टाभि सीतारमैया
- * भारत में उपनिवेश काल में द्वितीय आयोग का उद्देश्य था
 - श्रमिकों की मौजूदा परिस्थितियों पर प्रतिवेदन कर सिफारिशें प्रस्तुत करना
- * कैथरीन मेयो, ऐल्डस हक्सले, चार्ल्स एंड्रयू और विलियम डिग्बी के बीच आम रिश्ता था
 - उन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान भारत की हालत पर टिप्पणियां लिखीं
- * बंगाल दुर्भिक्ष का वर्ष, जिसमें लाखों लोग दिवंगत हुए थे, है
 - 1943
- * विश्व में शांति और आपसी सहयोग स्थापित करने के लिए नेहरूजी ने सिद्धांत प्रस्तुत किया
 - गुटनिरपेक्षता (Non-alignment)
- * 15 अगस्त, 1947 के बाद भारत का भाग पुर्तगाल के अधीन बना रहा
 - गोवा
- * भारत में 15 अगस्त, 1947 के पश्चात भी औपनिवेशिक शक्ति के विरुद्ध स्वाधीनता संघर्ष जारी रखना पड़ा
 - पुर्तगीज

सम-सामयिक घटना चक्र

- * वे समाजवाद से प्रभावित थे; वे ब्रिटिश उदारवाद से प्रभावित थे; वे महात्मा गांधी से प्रभावित थे तथा वे जर्मन राष्ट्रवाद से प्रभावित थे में से जवाहरलाल नेहरू के लिए सत्य नहीं है
 - वे जर्मन राष्ट्रवाद से प्रभावित थे
- * स्वतंत्रता पूर्व बिहार में भूमिहार, राजपूत, कायस्थ तथा कुर्मी में से एक वर्चस्वशाली जाति (Dominant Caste) नहीं थी — कुर्मी
- * सही कथन है-
 - भारतीय नौसेना का विद्रोह, 1946 तब हुआ जब मुंबई और कराची से रायल इंडियन नेवी के भारतीय नौसैनिक सरकार के विरुद्ध उठ खड़े हुए।
- * सही कथन हैं-
 - ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने महिलाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के प्रमुख उद्देश्य से कलकत्ता में बैथुन स्कूल स्थापित किया; बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रथम स्नातक थे।
- * ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स का चुनाव जिस प्रथम भारतीय ने लड़ा था, वह थे — डब्ल्यू.सी. बनर्जी
- * ब्रिटिश संसद के सदस्य के रूप में चुने जाने वाले प्रथम भारतीय थे — दादाभाई नौरोजी
- * भारत में अप्रत्यक्ष निर्वाचन की प्रथा आरंभ की गई थी — 1892 में
- * देवबंद के उस विद्वान का नाम जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई — अबुल कलाम आजाद
- * डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के संबंध में सही है-
 - उन्होंने सिद्धार्थ कॉलेज की स्थापना की; 1920 में उन्होंने अपनी पत्रिका मूक नायक शुरू की; 1922 में उन्होंने डिप्रेसड क्लास इंस्टीट्यूट की स्थापना की।
- * घटनाओं का सही कालानुक्रम है-
 - जलियांवाला बाग हत्याकांड पर कांग्रेस समिति द्वारा सर्वसम्मति रिपोर्ट की प्रस्तुति-तुर्की को अर्पित शांति शर्तों की घोषणा-बाल गंगाधर तिलक का निधन-कलकत्ता का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का विशेष अधिवेशन
- * स्वाधीन भारत की प्रथम औद्योगिक नीति, जिस वर्ष घोषित की गई, वह था — 1948
- * केरल में प्रथम साम्यवादी राज्य सरकार का गठन किया गया था — 1957 में
- * सत्य, अहिंसा, अस्पृश्यता तथा भारी औद्योगीकरण में से किसके पक्षधर नेहरू थे, किंतु गांधीजी नहीं थे — भारी औद्योगीकरण
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में महात्मा गांधी ने कहा था, "गांधी मर सकते हैं, परंतु गांधीवाद सदैव बना रहेगा"
 - कराची अधिवेशन, 1931
- * सही सुमेलित है (गांधीजी के संबंध में)-
 - गांधीजी को खरबदा जेल ले जाया गया - सविनय अवज्ञा आंदोलन
 - गांधीजी ने आमरण अनशन किया - सांप्रदायिक अवार्ड के विरुद्ध कराची जाते समय काले झंडे दिखाए - दिल्ली समझौते का अनुमोदन किया
 - उन्होंने कहा कि यह पराजय मेरी - 1939 का कांग्रेस संकट उनसे अधिक है
- * सही कालक्रम है-
 - असहयोग आंदोलन-साइमन कमीशन-नेहरू रिपोर्ट-भारत छोड़ो आंदोलन
- * सही कालानुक्रम है-
 - साइमन कमीशन-दांडी यात्रा-गांधी-इरविन समझौता-पूना समझौता
- * घटनाओं का सही कालानुक्रम है-
 - जिन्ना द्वारा शिमला कॉन्फ्रेंस को विध्वंस करना-कैबिनेट मिशन का पट्टंचना-मुस्लिम लीग द्वारा सीधी कार्यवाही प्रारंभ करना-अंतरिम सरकार का गठन।
- * सही क्रम है-
 - सूरत विभाजन-साइमन कमीशन-सविनय अवज्ञा आंदोलन-खुदाई खिदमतगार
- * सही सुमेलित है-

आजाद मुस्लिम कॉन्फ्रेंस	-	अल्लाह बक्श
खाकसार पार्टी	-	अल्लामा मशरिकी
खुदाई खिदमतगार	-	अब्दुल गफ्फार खां
कृषक प्रजा पार्टी	-	फजलुल हक
- * सही सुमेलित है-

बारदोली सत्याग्रह	-	सरदार वल्लभभाई पटेल
चंपारन सत्याग्रह	-	गांधीजी
कूका आंदोलन	-	राम सिंह
लाल कुर्ती	-	गफ्फार खां
- * सही सुमेलित है-

अवध किसान सभा	-	जवाहरलाल नेहरू
यूनाइटेड इंडियन पैट्रियाटिक एसोसिएशन	-	सर सैय्यद अहमद खान
ऑल इंडिया किसान सभा	-	आचार्य नरेंद्र देव
रैडिकल डेमोक्रेटिक पार्टी	-	एम.एन. रॉय
- * सही सुमेलित है-

खिलाफत आंदोलन	-	अली बंधु
होमरूल आंदोलन	-	बाल गंगाधर तिलक
सविनय अवज्ञा आंदोलन	-	खान बंधु
भारत छोड़ो आंदोलन	-	बी.आर. अम्बेडकर

सम-सांगिक घटना बक

* सही सुमेलित है-

मोतीलाल नेहरू	-	नेहरू रिपोर्ट
एम.के. गांधी	-	चंपारन आंदोलन
एस.सी. बोस	-	फारवर्ड ब्लॉक
एम.ए. जिन्ना	-	पाकिस्तान के संस्थापक

* सही सुमेलित है-

विनोबा भावे	-	वैयक्तिक सत्याग्रह
बी.जी. तिलक	-	होमरूल आंदोलन
अरुणा आसफ अली	-	भारत छोड़ो आंदोलन
सरोजिनी नायडू	-	धरसना रेड

* सही सुमेलित है-

(आंदोलन आदि)	(व्यक्ति जो जाने जाते हैं)
होमरूल आंदोलन	- एनी बेसेंट
बारदोली सत्याग्रह	- वल्लभभाई पटेल
असहयोग आंदोलन	- एम.के. गांधी
स्वराज पार्टी का निर्माण	- सी.आर. दास

* सही सुमेलित है-

महात्मा गांधी	-	दांडी मार्च
जवाहरलाल नेहरू	-	लखनऊ कांग्रेस में पूर्ण
स्वराज की मांग	-	लाल कुर्ती अभियान
खान अब्दुल गफ्फार खां	-	बारदोली सत्याग्रह

* सही क्रम है-

— रेग्युलेटिंग एक्ट-बंगाल का विभाजन-मुस्लिम लीग की स्थापना-सूरत की फूट

* राष्ट्रीय आंदोलन की घटनाओं का सही क्रम है-

— चंपारन सत्याग्रह-असहयोग आंदोलन-दांडी मार्च-भारत छोड़ो आंदोलन

* सही क्रम है-

— होमरूल आंदोलन-रौलेट एक्ट-साइमन कमीशन-गांधी-इरविन समझौता

* सही कथन है-

— अंतरिम सरकार (1946) में रेल मंत्रालय का कार्य आसफ अली देखते थे; 'प्राचीन स्मारक संरक्षण कानून' जब लॉर्ड कर्जन गवर्नर जनरल थे, पारित हुआ था; रौलेट एक्ट के विरोध में स्वामी श्रद्धानंद ने लगान न देने का आंदोलन चलाने का सुझाव दिया था।

* सही सुमेलित है-

रानी दुर्गावती	-	गढ़ा मंडल
महारानी अहिल्याबाई	-	होल्कर राज्य
महारानी लक्ष्मीबाई	-	झांसी
बेगम रजिया सुल्तान	-	दिल्ली

* घटनाओं का सही कालक्रम है-

— बंग-मंग-लखनऊ समझौता-रौलेट एक्ट-द्वैध शासन का प्रवर्तन

* घटनाओं का सही कालानुक्रम है-

— लखनऊ समझौता-चंपारन सत्याग्रह-जलियांवाला बाग हत्याकांड-खिलाफत आंदोलन

* घटनाओं का सही कालानुक्रम है-

— रौलेट सत्याग्रह-जलियांवाला बाग हत्याकांड-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अमृतसर अधिवेशन (1919)-खिलाफत आंदोलन

* घटनाओं का सही कालानुक्रम है-

— एक अधिनियम के रूप में रौलेट विधेयक का पास होना-जलियांवाला बाग नरसंहार-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अमृतसर अधिवेशन, 1919-बी.जी. तिलक का निधन

* भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़ी घटनाओं का सही कालानुक्रम है-

— महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-गांधी-इरविन समझौता-सांप्रदायिक निर्णय-पूना समझौता

* घटनाओं का सही कालानुक्रम है-

— होमरूल आंदोलन-चंपारन सत्याग्रह-जलियांवाला बाग हत्याकांड-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अमृतसर अधिवेशन

* सही कालक्रम है-

— चंपारन सत्याग्रह-रौलेट सत्याग्रह-जलियांवाला बाग हत्याकांड-चौरी चौरा की घटना

* सही कालानुक्रम है-

— जलियांवाला बाग त्रासदी-स्वराजिस्ट दल का निर्माण-नौजवान भारत समा का निर्माण-दांडी मार्च

* सही सुमेलित है-

जमनालाल बजाज	-	वर्धा का सत्याग्रह आश्रम
दादाभाई नौरोजी	-	बंबई एसोसिएशन
लाला लाजपत राय	-	लाहौर का राष्ट्रीय विद्यालय
ज्योतिबा फूले	-	सत्यशोधक समा

* सही सुमेलित है-

सूची-I

1883	-	कलकत्ता में राष्ट्रीय सम्मेलन का प्रथम अधिवेशन
1906	-	ढाका में मुस्लिम लीग की स्थापना
1927	-	अखिल भारतीय देशी राज्य प्रजा परिषद की स्थापना
1932	-	ह्वाइटहॉल से सांप्रदायिक पंचाट की घोषणा

सूची-II

* सही सुमेलित है-

मॉर्ले-मिंटो सुधार	-	सांप्रदायिक निर्वाचन क्षेत्र
साइमन कमीशन	-	देशव्यापी आंदोलन
चौरी-चौरा घटना	-	आंदोलन का वापस लिया जाना
दांडी मार्च	-	नमक का अवैध निर्माण

सम-सांख्यिक घटना चक्र

* सही सुमेलित है—

भारत से प्रकाशित प्रथम समाचार-पत्र	-	द बंगाल गजट
ऑल इंडिया हरिजन संघ के संस्थापक	-	महात्मा गांधी
गदर आंदोलन में सक्रिय भाग लेने वाले	-	हरदयाल और बाबा हरनामसिंह तुंडिलात
पिट्स इंडिया अधिनियम पारित होने के समय बंगाल का गवर्नर जनरल	-	वारेन हेस्टिंग्स

* सही सुमेलित है—

सूची-I अधिनियम	सूची-II (अधिकांशतः आधारित)
-------------------	-------------------------------

इंडियन काउंसिल एक्ट, 1909	-	मॉर्ले-मिंटो सुधार पर
भारत सरकार अधिनियम, 1919	-	मांटैग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार पर
भारत सरकार, अधिनियम, 1935	-	साइमन कमीशन रिपोर्ट तथा संयुक्त प्रवर समिति की सिफारिशों पर
स्वाधीनता अधिनियम, 1947	-	माउंटबेटन प्लान पर

* सही सुमेलित है—

अगस्त घोषणा	-	मांटैग्यू
अगस्त प्रस्ताव	-	लॉर्ड लिनलिथगो
अगस्त संकल्प	-	महात्मा गांधी
प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस	-	मुहम्मद अली जिन्ना

* सही सुमेलित है—

भारत शासन अधिनियम	-	1935
क्रिप्स प्रस्ताव	-	1942
अगस्त प्रस्ताव	-	1940
वेवेल योजना	-	1945

* वर्ष 1929 में जारी किए गए 'दीपावली घोषणा-पत्र' का संबंध था—

— डोमिनियन स्टेट्स से

* सही सुमेलित है—

सूची-I	सूची-II
बटलर समिति रिपोर्ट	- भारतीय राज्यों और परमोच्च शक्ति के बीच संबंध
हार्टोग समिति रिपोर्ट	- ब्रिटिश भारत में शिक्षा की अभिवृद्धि और प्रगति की संभावनाएं
हंटर जांच	- जलियांवाला बाग हत्याकांड
मुडिगैन समिति रिपोर्ट	- मांटैग्यू-चेम्सफोर्ड समिति रिपोर्ट

* सही कथन है—

— महात्मा गांधी की आत्मकथा मूल रूप से गुजराती भाषा में लिखी गई थी; सैडलर आयोग शिक्षा से जुड़ा है; भारत में अंग्रेजी शिक्षा के प्रसार में सहायता करने के लिए हिंदू कॉलेज कलकत्ता प्रथम संस्था थी।

* सही सुमेलित है—

सूरत विभाजन	-	1907
सांप्रदायिक अधिनिर्णय	-	1932
सर्वदलीय सम्मेलन	-	1928
पूर्ण स्वराज का संकल्प	-	1929

* घटनाओं का सही अनुक्रम है

— कामागाटामारु प्रसंग-महात्मा गांधी का भारत आगमन-तिलक की होमरूल लीग

* घटनाओं का सही अनुक्रम है

— अगस्त प्रस्ताव-भारत छोड़ो आंदोलन-I.N.A. मुकदमा-रॉयल इंडियन नेवल रेटिंग्स का विद्रोह

* सही कालक्रम है—

— होमरूल आंदोलन-असहयोग आंदोलन-सविनय अवज्ञा आंदोलन-भारत छोड़ो आंदोलन

* सही सुमेलित है—

साइमन कमीशन	-	1927
भारत छोड़ो आंदोलन	-	1942
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन	-	1885
मिंटो-मार्ले सुधार	-	1909

* सही कालानुक्रम है—

— साइमन कमीशन-गांधी-इरविन समझौता-क्रिप्स मिशन-देश का विभाजन

* सही सुमेलित है—

थियोडोर बेक	-	मोहम्मदन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज, अलीगढ़
इल्बर्ट बिल	-	रिपन
फिरोजशाह मेहता	-	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
बदरुद्दीन तैयबजी	-	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

* घटनाओं का सही कालानुक्रम है—

— स्वदेशी आंदोलन-होमरूल आंदोलन-असहयोग आंदोलन-सविनय अवज्ञा आंदोलन

* आंदोलनों ने महिलाओं को घर की चार दीवारी से बाहर निकाला

— स्वदेशी आंदोलन-होमरूल आंदोलन-असहयोग आंदोलन-सविनय अवज्ञा आंदोलन

* सही कालानुक्रम है—

— गांधी का चंपारन सत्याग्रह-जलियांवाला बाग हत्याकांड-असहयोग आंदोलन-सविनय अवज्ञा आंदोलन

सम-सांगयिक घटना वक्र

* सही सुमेलित है—		दांडी मार्च	— 12 मार्च, 1930
होमरूल लीग	— लोकमान्य तिलक	द्वितीय गोलमेज कॉन्फ्रेंस	— सितंबर, 1931
नेशनलिस्ट पार्टी	— मदन मोहन मालवीय	* सही सुमेलित है—	
नेशनल लिबरेशन फेडरेशन	— तेज बहादुर सप्रू	एनी बेसेंट	— गृह शासन आंदोलन
स्वराज पार्टी	— चितरंजन दास	डॉ. राजेंद्र प्रसाद	— चंपारन सत्याग्रह
* सही सुमेलित है—		जवाहरलाल नेहरू	— भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन, 1929
पृथक निर्वाचनों का प्रारंभ	— 1909	अंबिका चरण मजूमदार	— भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लखनऊ अधिवेशन, 1916
कांग्रेस-लीग समझौता	— 1916	* सही कालक्रम है—	
सांप्रदायिक अवॉर्ड	— 1932	— सी.आर. फॉर्मूला-गांधी-जिन्ना बातचीत-वेवेल योजना-कैबिनेट मिशन	
मुक्ति दिवस	— 1939	* सही सुमेलित है—	
* सही सुमेलित है—		(घटना)	(वर्ष)
बक्सर का युद्ध	— 1764	असहयोग आंदोलन	— 1920
सहायक संधि	— 1798	सविनय अवज्ञा आंदोलन	— 1930
भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी का एकाधिकार	— 1833	कांग्रेस मंत्रिमंडलों का गठन	— 1937
ब्रिटिश नागरिकों एवं कंपनियों के लिए भारत	— 1813	भारत छोड़ो आंदोलन	— 1942
में व्यापार का खोला जाना		* सही सुमेलित है—	
* सही कालक्रम है—		मदन मोहन मालवीय	— हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक
— क्रिप्स योजना-वेवेल योजना-कैबिनेट मिशन योजना-माउंटबेटन योजना		मोतीलाल नेहरू	— स्वराज पार्टी का अन्य लोगों के साथ गठन किया
* घटनाओं का सही कालानुक्रम है—		श्रीमती एनी बेसेंट	— होमरूल लीग के संस्थापक
— क्रिप्स मिशन-भारत छोड़ो आंदोलन-वेवेल ऑफर-कैबिनेट मिशन प्लान		गोपाल कृष्ण गोखले	— सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी को प्रारंभ किया
* सही कालानुक्रम है—		* सही सुमेलित है—	
— अगस्त प्रस्ताव-क्रिप्स मिशन की योजना-वेवेल की योजना-मंत्रिमंडल मिशन की योजना		गदर पार्टी	— लाला हरदयाल
* घटनाओं का सही कालक्रम है—		फ्रंटियर गांधी	— खान अब्दुल गफ्फार
— चंपारन आंदोलन-जलियांवाला बाग हत्याकांड-मोपला विद्रोह-चौरी-चौरा की घटना		इंडियन नेशनल आर्मी	— सुभाष चंद्र बोस
* घटनाओं का सही कालक्रम है—		भारत के प्रथम राष्ट्रपति	— डॉ. राजेंद्र प्रसाद
— नेहरू रिपोर्ट-सविनय अवज्ञा आंदोलन-गांधी-इरविन पैकट-पूना पैकट		* घटनाओं का सही कालक्रम है—	
* सही कालक्रम है—		— मिंटो-मार्ले सुधार-मांटेग्यू-वेम्सफोर्ड सुधार-चौरी-चौरा कांड-दांडी यात्रा	
— सी. राजगोपालाचारी योजना-वेवेल योजना-कैबिनेट मिशन योजना-माउंटबेटन योजना		* घटनाओं का सही कालक्रम है—	
* वेवेल योजना प्रस्तुत की गई थी	— वर्ष 1945 में	— सविनय अवज्ञा आंदोलन-वैयक्तिक सत्याग्रह-क्रिप्स मिशन-भारत छोड़ो आंदोलन	
* सही सुमेलित है—		* सही कालक्रम है—	
मैकडोनाल्ड	— कम्युनल अवॉर्ड	— साइमन कमीशन-पूना पैकट-क्रिप्स मिशन-कैबिनेट मिशन	
लिनलिथगो	— अगस्त ऑफर	* सही सुमेलित है—	
डलहौजी	— डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स	आंदोलन/सत्याग्रह	— सक्रिय संबद्ध व्यक्ति
चेम्सफोर्ड	— डाइआर्की	चंपारन	— राजेंद्र प्रसाद
* सही सुमेलित है—		अहमदाबाद मिल श्रमिक	— अनुसूइया बेन
कांग्रेस का संपूर्ण स्वाधीनता प्रस्ताव	— 31 दिसंबर, 1929	खेड़ा	— वल्लभभाई पटेल
पूर्ण स्वराज दिवस	— 26 जनवरी, 1930		

सम-सामयिक घटना चक्र

- * घटनाओं का सही कालक्रम है-
 - चंपारन सत्याग्रह-तिलक की मृत्यु-दांडी यात्रा-शिमला समझौता
- * सही कालक्रम है-
 - स्वदेशी आंदोलन-जलियांवाला बाग नरसंहार-दांडी मार्च-भारत छोड़ो आंदोलन
- * सही कालक्रम है-
 - पूना पैक्ट-भारत छोड़ो आंदोलन-शिमला कॉन्फ्रेंस-कैबिनेट मिशन
- * सही कालक्रम है-
 - बंग-भंग का निर्णय-कांग्रेस के उद्देश्य के रूप में स्वराज्य को स्वीकार करना-स्वदेशी आंदोलन की औपचारिक घोषणा-सूरत-फाड़
- * कथन (A) : उपनिषदों के प्रति नेहरू की श्रद्धा नहीं थी।
कारण (R) : उनकी दृष्टि वैज्ञानिक थी।
 - (A) गलत है किंतु (R) सही है
- * 'डोडो' की भांति "साम्राज्यवाद" दिवंगत हो चुका है, कथन है?
 - क्लीमेंट एटली का
- * "यहां (भारत में) एक क्रांति होने जा रही है और हमें जल्दी से चले जाना चाहिए।" यह कहा
 - सर स्टैफोर्ड क्रिप्स ने
- * प्रथम अणुबम विस्फोट किया गया
 - हिरोशिमा में
- * फ्रांसीसी क्रांति प्रारंभ हुई
 - 1789 ई. में
- * सही कालक्रम है-
 - चंपारन आंदोलन-अमृतसर घटना-मोपला विद्रोह-चौरी-चौरा घटना
- * सही कथन है-
 - जवाहरलाल नेहरू मृत्यु के समय भारत के प्रधानमंत्री की चौथी पदावधि में थे; भारत के प्रथम गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री वर्ष 1977 में पद पर नियुक्त हुए।
- * घटनाओं का सही कालक्रम-
 - लखनऊ समझौता-गांधी-इरविन समझौता-पूना समझौता-सविनय अवज्ञा आंदोलन की अंतिम रूप से वापसी
- * सही सुमेलित है-

बारदोली	—	गुजरात
चौरी-चौरा	—	उत्तर प्रदेश
बरबदा	—	महाराष्ट्र
नोआखली	—	पश्चिम बंगाल
- * सही कथन हैं-
 - शक-संवत् पर आधारित राष्ट्रीय पंचांग में 1 चैत्र सामान्यतः 22 मार्च को और अधिवर्ष में 21 मार्च को पड़ता है।
 - भारत के राष्ट्रीय ध्वज के प्रारूप को संविधान सभा ने 22 जुलाई, 1947 को अपनाया था
 - रबींद्रनाथ ठाकुर द्वारा मूल बंगला में रचित गान 'जन-गण-मन' के हिंदी संस्करण को संविधान सभा ने भारत के राष्ट्रगान के रूप में 24 जनवरी, 1950 को अपनाया था
- * घटनाओं का सही कालक्रम है-
 - खुशबू एवं बुलगानिन की भारत यात्रा-दलाईलामा का भागकर भारत आना-चाउ-एन-लाई का भारत में आगमन-गोवा मुक्ति।
- * भारत और पाकिस्तान के बीच शिमला समझौता हस्ताक्षरित हुआ था
 - 1972 में
- * भारत ने 'ऑपरेशन विजय' चलाया था
 - पाकिस्तान के विरुद्ध
- * कृषक दिवस मनाया जाता है
 - 23 दिसंबर को
- * सुमेलित है-

रबींद्रनाथ टैगोर	—	साहित्य
अमर्त्य सेन	—	अर्थशास्त्र
चंद्रशेखर	—	खगोल भौतिकी
वीनू मांकड़	—	क्रिकेट
- * प्रथम भारतीय नोबेल पुरस्कार विजेता थे
 - रबींद्रनाथ टैगोर
- * सही कालक्रम है-
 - चंद्रशेखर आजाद की शहादत-गांधी-इरविन समझौता-भगत सिंह को फांसी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 1931 का कराची अधिवेशन
- * घटनाओं का सही कालक्रम है-
 - 1929 का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन-गांधी-इरविन समझौता-राजगुरु को फांसी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कराची अधिवेशन
- * सही सुमेलित है-

सुभाष चंद्र बोस	—	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का हरिपुरा अधिवेशन
बल्लभभाई पटेल	—	ऑपरेशन पोली
इकबाल	—	1930 का मुस्लिम लीग का इलाहाबाद अधिवेशन
बटुकेश्वर दत्त	—	सेंट्रल असेम्बली में बम फेंका जाना
- * प्रथम अखिल भारतीय समाजवादी युवा कांग्रेस के सभापति थे
 - जवाहरलाल नेहरू
- * अलीपुर सेंट्रल जेल स्थित है
 - कोलकाता में
- * 'ऑपरेशन पोली' जुड़ा है
 - हैदराबाद राज्य में सैनिक कार्यवाही से
- * राज्य का सचिवालय भवन 'राइटर्स बिल्डिंग' के नाम से जाना जाता है
 - पश्चिम बंगाल
- * भारत में 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है
 - 5 सितंबर को
- * राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है
 - 16 नवंबर को
- * भारतीय किसान यूनियन की स्थापना की गई थी
 - 1986 में
- * वह सिद्धांत जिसके माध्यम से कार्ल मार्क्स ने वर्ग संघर्ष की प्रक्रिया को समझाया है
 - द्वैतात्मक भौतिकवाद
- * 'वेलेंटाइन डे (दिवस)' प्रति वर्ष मनाया जाता है
 - 14 फरवरी को
- * आजकल का कैलेंडर आधारित है
 - ग्रेगोरियन कैलेंडर पर
- * 'फालुन गोंग' एक लोकप्रिय आंदोलन होता जा रहा है
 - चीन में

सम-सामयिक घटना बक

- * मदर टेरेसा के संबंध में सही है
— उनका जन्म अल्बानिया में हुआ था; वे 18 वर्ष की उम्र में ही नन बन गई थीं तथा एक समय में वे कलकत्ता में शिक्षिका थीं।
- * मदर टेरेसा के द्वारा स्थापित धर्म संघ कहलाता है
— मिशनरीज ऑफ चैरिटी (Missionaries of Charity)
- * सही सुमेलित है—
विधि सेवा दिवस — 9 नवंबर
विश्व पर्यटन दिवस — 27 सितंबर
विश्व थियेटर दिवस — 27 मार्च
अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस — 8 सितंबर
- * सही सुमेलित है—
11 जुलाई - विश्व जनसंख्या दिवस
12 अगस्त - अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस
29 अगस्त - राष्ट्रीय खेल दिवस
8 सितंबर - विश्व साक्षरता दिवस
- * लोक सेवा दिवस मनाया जाता है — 21 अप्रैल को
- * सही सुमेलित है—
फतहसिंह राठौड़ - टाइगर मैन
सुरेश तेंदुलकर - अर्थशास्त्र
मणि कौल - फ़िल्म निर्माता
आर. एस. शर्मा - इतिहासकार
- * सही सुमेलित है—
यलोस्टोन — संयुक्त राज्य अमेरिका
एफिल टॉवर — पेरिस
पेगोडा — म्यांमार
पिरामिड — मिस्र
- * विश्व की प्रथम महिला प्रधानमंत्री थीं — सिरीमावो भण्डारनायके
- * ब्रिटिश प्रधानमंत्री के सरकारी आवास का नाम है
— 10 डाउनिंग स्ट्रीट
- * चीन ने तिब्बत पर कब्जा किया — 1959 में
- * भारत-पाकिस्तान के युद्ध के पश्चात बांग्लादेश एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ था — दिसंबर, 1971 में
- * सोवियत संघ रूस बना — 1991 में
- * जर्मनी का एकीकरण हुआ — 3 अक्टूबर, 1990 को
- * संयुक्त राज्य अमेरिका का 1941 ई. में दूसरे विश्व युद्ध में शामिल होने का मुख्य कारण था — पर्ल हार्बर पर आक्रमण
- * संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति थे — जॉर्ज वाशिंगटन
- * बिल क्लिंटन, रिचर्ड निक्सन तथा जॉर्ज डब्ल्यू. बुश (सीनियर) में से संयुक्त राज्य अमेरिका का वह राष्ट्रपति जिसने राष्ट्रपति पद से त्यागपत्र दिया हो — रिचर्ड निक्सन

- * विशप टुटू देश से संबंधित है — द. अफ्रीका
- * चीन में वास्तविक कागज के निर्माण का श्रेय दिया जाता है
— साई-लून को
- * सही कथन है—
— प्लेटो, सुकरात के शिष्य थे
- * पुनर्जागरण संस्कृति के इटली में प्रारंभ होने का कारण था
— विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता
- * 'अपार्थिव' है — एक उपन्यास शृंखला

पत्रिकाएं, पुस्तकें और उनके लेखक

- * सही सुमेलित है—
अबुल कलाम आज़ाद - इंडिया विन्स फ्रीडम
एनी बेसेंट - न्यू इंडिया
बाल गंगाधर तिलक - केसरी
महात्मा गांधी - हिंद स्वराज
- * 'बापू : माई मदर' शीर्षक संस्मरण लिखा था — मनुबहन ने
- * 'गीता रहस्य' नामक ग्रंथ लिखा गया
— बाल गंगाधर तिलक द्वारा
- * अरविंद घोष ने लिखा था — द लाइफ़ डिवाइन
- * 19वीं शताब्दी का प्रथम इतिहासकार जिसने राजस्थान की सामंतवादी व्यवस्था के बारे में लिखा, वह थे — कर्नल जेम्स टॉड
- * सही सुमेलित है—
अनहैप्पी इंडिया - लाला लाजपत राय
दुर्गेश नंदिनी - बंकिमचंद्र चटर्जी
इंडिया विन्स फ्रीडम - अबुल कलाम आज़ाद
पावर्टी एंड अन-ब्रिटिश - दादाभाई नौरोजी
रूल इन इंडिया
- * सही सुमेलित है—
लारी कॉलिंग्स एंड डोमिनिक - फ्रीडम एट मिडनाइट
लेपियर
दुर्गा दास - इंडिया फ्रॉम कर्जन टू नेहरू
एंड ऑफ्टर
रफीक जकारिया - द मैन हू डिवाइडेड इंडिया
मौलाना अबुल कलाम आजाद - इंडिया विन्स फ्रीडम
- * सही सुमेलित है—
इंडिया विन्स फ्रीडम — अबुल कलाम आजाद
रन्स एंड रुइन्स — सुनील गावस्कर
यंग इंडिया — महात्मा गांधी
न्यू इंडिया — एनी बेसेंट

सम-सांख्यिक घटना चक्र

* सही सुमेलित है—			फिलिप्स टालबॉट	-	अमेरिकन बिटनेस टू इंडियाज पार्टीशन
वैलेंटाइन शिरोल	-	इंडियन अनरेस्ट			
रफीक जकारिया	-	द मैन हू डिवाइडेड इंडिया	अबुल कलाम आजाद	-	इंडिया विन्स फ्रीडम
सुभाष चंद्र बोस	-	इंडियन स्ट्रगल	* 'स्प्रिंग टाइगर' पुस्तक जीवनी है		— सुभाष चंद्र बोस की
वी.डी. सावरकर	-	इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस	* सही सुमेलित है—		
* सही सुमेलित है—			भगत सिंह	-	एन इंट्रोडक्सन टू दी ड्रीमलैंड
सुरेंद्रनाथ बनर्जी	-	ए नेशन इन द मेकिंग	सुभाष चंद्र बोस	-	इंडियन स्ट्रगल
लाला लाजपत राय	-	ऑटोबायोग्राफिकल राइटिंग्स (आत्म-चरितात्मक रचनाएं)	सचीन्द्रनाथ सान्याल	-	बंदी जीवन
			* सही सुमेलित है—		
सुभाष चंद्र बोस	-	द इंडियन स्ट्रगल	श्यामजी कृष्ण वर्मा : दी इंडियन सोशियोलॉजिस्ट		
एम.के. गांधी	-	हिंद स्वराज	सचीन्द्रनाथ सान्याल : बंदी जीवन		
* सही सुमेलित है—			लाला रामसरन दास : दी ड्रीमलैंड		
जवाहरलाल नेहरू	-	डिस्कवरी ऑफ इंडिया	भगवती चरण वोहरा : दी फिलॉसफी ऑफ बम		
मौलाना अबुल कलाम आजाद	-	इंडिया विन्स फ्रीडम	* 'अनाइहिलेशन ऑफ कास्ट' के लेखक हैं — डॉ.बी.आर. अम्बेडकर		
सुभाष चंद्र बोस	-	इंडियन स्ट्रगल	* सही सुमेलित है—		
लाला लाजपत राय	-	अनहैप्पी इंडिया	दुर्गादास	-	इंडिया फ्रॉम कर्जन टू नेहरू एंड ऑफ्टर
* सही सुमेलित है—			लुई फिशर	-	द लाइफ ऑफ महात्मा गांधी
हिस्ट्री ऑफ द फ्रीडम मूवमेंट इन इंडिया	-	ताराचंद	फ्रैंक मोरेस	-	जवाहरलाल नेहरू ए बायोग्राफी
हिस्ट्री ऑफ द फ्रीडम मूवमेंट इन बिहार	-	के.के. दत्ता	मौलाना अबुल कलाम आजाद	-	इंडिया विन्स फ्रीडम
आनंदमठ	-	बंकिमचंद्र चटर्जी	* सही सुमेलित है—		
प्रीसेप्ट्स ऑफ जीसस	-	राजा राममोहन राय	एस.सी. बोस	:	इंडियन स्ट्रगल
अवर इंडियन मुसलमान्स	-	डब्ल्यू.डब्ल्यू. हंटर	दादाभाई नौरोजी	:	पावर्टी एंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया
* सही सुमेलित है—			राजेंद्र प्रसाद	:	इंडिया डिवाइडेड
वी.डी. सावरकर	-	दी इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस	फ्रैंक मोरेस	:	जवाहरलाल नेहरू ए बायोग्राफी
आर.सी. मजूमदार	-	दी सेपॉय म्यूटिनी एंड रिवोल्ट ऑफ 1857	* सही सुमेलित है—		
रुद्रांगशू मुखर्जी	-	अवध इन रिवोल्ट (1857-1858)	लाजपत राय	:	अनहैप्पी इंडिया
एस.बी. चौधरी	-	सिविल रिबेलियंस इन दी इंडियन म्यूटिनीज (1857-1859)	दादाभाई नौरोजी	:	पावर्टी एंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया
* सही सुमेलित है—			रफीक जकारिया	:	द मैन हू डिवाइडेड इंडिया
ऐतान-ए-हक	-	विपिन चंद्र पाल	सुभाष चंद्र बोस	:	इंडियन स्ट्रगल
अल-हिलाल	-	डॉ. जाकिर हुसैन	* 'गिल्टी मैन ऑफ इंडियाज पार्टीशन' पुस्तक लिखी है		— डॉ. राम मनोहर लोहिया
तहजीब-उल-एखलाक	-	सर सैयद अहमद खां	* सही सुमेलित है—		
युगांतर	-	अरविंद घोष	एच.वी. हॉडसन	:	दी ग्रेट डिवाइड
* सही सुमेलित है—			जवाहरलाल नेहरू	:	ग्लिमसेस ऑफ दि वर्ल्ड हिस्ट्री
सुभाष चंद्र बोस	-	इंडियन स्ट्रगल	राम मनोहर लोहिया	:	दी गिल्टीमैन ऑफ इंडियाज पार्टीशन
छूटोये	-	स्प्रिंग टाइगर	महात्मा गांधी	:	हिंद स्वराज
			* सही सुमेलित है—		
			बंकिमचंद्र चटर्जी	-	आनंद मठ
			माइकेल मधुसूदन दत्त	-	कैप्टिव लेडी
			रबींद्रनाथ टैगोर	-	गोरा
			सरोजिनी नायडू	-	द ब्रोकेन विंग

सम-सामयिक घटना बक

- * 'गीतांजलि' का अंग्रेजी संस्करण प्रकाशित हुआ था — 1912 में
- * सही सुमेलित है—

महात्मा गांधी	- हिंद स्वराज
राम मनोहर लोहिया	- द हिल ऑफ हिस्ट्री
डॉ. राजेंद्र प्रसाद	- इंडिया डिवाइडेड
अबुल कलाम आजाद	- इंडिया विन्स फ्रीडम
- * महात्मा गांधी ने ब्रिटिश पार्लियामेंट को बांझ और वेश्या कहा है — हिंद स्वराज में
- * 'गोखले माई पॉलिटिकल गुरु' पुस्तक लिखी है — एम.के. गांधी ने
- * सही सुमेलित है—

राजेंद्र प्रसाद	- इंडिया डिवाइडेड
दिलीप मुखर्जी	- टेररिस्ट
एस.एन. बनर्जी	- नेशन इन मेकिंग
महात्मा गांधी	- माई एक्सपेरिमेंट विद ट्रुथ
- * सही सुमेलित है—

डी. पी. मिश्र	- लिविंग एन एरा
जवाहरलाल नेहरू	- भारत की खोज
राजेंद्र प्रसाद	- इंडिया डिवाइडेड
सुभाष चंद्र बोस	- इंडियन स्ट्रगल
- * प्रसिद्ध पुस्तक 'फाउंडेशन ऑफ इंडियन कल्चर' के लेखक हैं — श्री अरविंद
- * 'बहुविवाह' नामक पुस्तक लिखी — ईश्वर चंद्र विद्यासागर
- * सही सुमेलित है—

बंकिम चंद्र	- देबी चौधुरानी
दीनबंधु मित्र	- नीलदर्पण
प्रेमचंद	- शतरंज के खिलाड़ी
- * 'चंद्रकांता' उपन्यास के लेखक हैं— देवकीनंदन खत्री
- * सही सुमेलित है—

लेखक	पुस्तक
अमृत लाल नागर	- अमृत और विष
सुमित्रानंदन पंत	- चिदंबरा
शरतचंद्र चटर्जी	- देवदास
जयदेव	- गीत गोविंद
- * प्रसिद्ध पुस्तक, "दास कैपिटल" लिखी गई है — कार्ल मार्क्स द्वारा
- * एम.एन. राय की उत्प्रेवासी साम्यवादी पत्रिका थी — दैनिक
- * गीतांजलि, आनंदमठ, सत्यार्थ प्रकाश तथा गीता रहस्य पुस्तकों में से वह पुस्तक जिसका संबंध भारत में राष्ट्रीय आंदोलन के विकास से जोड़ा जाता है — आनंदमठ
- * उपन्यास 'दुर्गेशनंदिनी' के लेखक हैं — बंकिमचंद्र चटर्जी
- * "बंगाली देशभक्ति की बाइबिल" मानी जाती है — आनंदमठ
- * बन्दे मातरम् का गीत जिसने उनकी आजादी की लड़ाई में भारत के देशभक्त सपूतों को बड़ी प्रेरणा प्रदान की, अंकित है — आनंदमठ में
- * क्रांतिकारी रचना 'चेतावनी का चूंगदया' के रचयिता थे — बारहठ केसरी सिंह
- * महात्मा गांधी ने अपनी आत्मकथा मूलरूप में लिखी — गुजराती में
- * 'हिंद स्वराज' महात्मा गांधी द्वारा लिखी गई थी — गुजराती में
- * एम.के. गांधी ने 'हिन्द स्वराज' लिखी — 1909 में
- * भारतेंदु हरिश्चंद्र की प्रसिद्ध कृति है — भारत दुर्दशा
- * 'अंधेर नगरी चौपट राजा' नाटक लिखा — भारतेंदु हरिश्चंद्र ने
- * सुब्रमण्यम भारती कवि थे — तमिल भाषा के
- * 'भारत भारती' के लेखक हैं — मैथिलीशरण गुप्त
- * 'राष्ट्रकवि' की उपाधि अपनी साहित्यिक कृतियों द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हेतु प्राप्त हुई थी — मैथिलीशरण गुप्त को
- * सही कथन है—

— नीलदर्पण नील की खेती करने वाले किसानों के शोषण पर आधारित नाटक था; 'घासीराम कोतवाल' नामक नाटक के लेखक का नाम विजय तेंदुलकर है; उर्दू रंगमंच, पारसी थियेटर पर बहुत अधिक आधारित हुआ करता था
- * 'संघर्ष की ओर' पुस्तक के लेखक थे — जयप्रकाश नारायण
- * 'प्रिजन डायरी' पुस्तक लिखी — जयप्रकाश नारायण ने
- * 'ए पैसेज टू इंडिया' पुस्तक लिखी थी — ई.एम.फोर्स्टर
- * 'इंडियाज स्ट्रगल फॉर इंडिपेंडेंस' पुस्तक के लेखक हैं — बिपिन चंद्र
- * इंडियन नेशनल मूवमेंट : दि लॉन्ग टर्म डाइनेमिक्स के लेखक हैं — बिपिन चंद्र
- * "आउट ऑफ प्रिंट : न्यूजपेपर्स, जर्नलिज्म, एंड द बिजनेस ऑफ न्यूज इन द डिजिटल एज" नामक पुस्तक के लेखक हैं — प्रोफेसर जॉर्ज ब्रॉक
- * 'मदर इंडिया' पुस्तक लिखी गई थी — कैथरीन मेयो द्वारा
- * सही सुमेलित है—

द फर्स्ट इंडियन वार	- विनायक दामोदर सावरकर
ऑफ इंडिपेंडेंस	- बंकिमचंद्र चटर्जी
आनंदमठ	- श्री अरविंदो
लाइफ डिवाइन	- रबींद्रनाथ टैगोर
साधना	- श्यामलाल पार्षद ने
- * 'झंडा गीत' लिखा है — प्रदीप द्वारा
- * राष्ट्रभक्ति गीत 'ऐ मेरे वतन के लोगों', लिखा गया — कवि इकबाल जिन्होंने 'सारे जहां से अच्छा' लिखा, संबंधित हैं
- * पंजाब से

सम-सामयिक घटना चक्र

- * "मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना" यह पंक्ति अपनी रचना में लिखी — मुहम्मद इकबाल ने
- * 'मैं अनीश्वरवादी क्यों हूँ' शीर्षक की पुस्तिका लिखी गई थी — भगत सिंह द्वारा
- * भारत के स्वदेशी आंदोलन के दौरान लिखे गए गीत 'आमार सोनार बांगला' ने बांग्लादेश को उसके स्वतंत्रता संग्राम में प्रोत्साहित किया और उसे बांग्लादेश ने राष्ट्रीय गान के रूप में अपनाया। यह गीत लिखा था — रबींद्रनाथ टैगोर ने
- * 'जन-गण-मन' की रचना की — रबींद्रनाथ टैगोर ने
- * 'गोल्डन थ्रेशहोल्ड' नामक कविता-संग्रह की रचयिता है — सरोजिनी नायडू
- * 'लैंडमार्क्स इन इंडियन कॉन्स्टीट्यूशनल एंड नेशनल डेवलपमेंट' नामक पुस्तक के लेखक हैं — गुरुमुख निहाल सिंह
- * 'कांग्रेस प्रेजिडेंशियल एड्रेसोज' के संपादक थे — जी.एन. नटेशन
- * पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' लिखी थी — अहमदनगर फोर्ट जेल में
- * सही सुमेलित है—
लेडी कैथरीन मेयो — मदर इंडिया
लॉरी कॉलिस एंड — फ्रीडम एट मिडनाइट
डोमिनिक लेपियर
राम मनोहर लोहिया — गिल्टी मेन ऑफ इंडियाज़ पार्टीशन
जवाहरलाल नेहरू — डिस्कवरी ऑफ इंडिया (भारत की खोज)
- * 'माउंटबेटन एंड दी पार्टीशन ऑफ इंडिया' पुस्तक के लेखक थे — लॉरी कॉलिस एंड डोमिनिक लेपियर
- * 'जर्नी थ्रू दी किंगडम ऑफ अवध इन दी ईयर 1849-50' रिपोर्ट लिखी गई थी — डब्ल्यू.एच. स्लीमैन द्वारा
- * 'इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस 1857' के लेखक हैं — बी.डी. सावरकर
- * सही सुमेलित है—
रोमेश चंद्र दत्त — द इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया अंडर अर्ली ब्रिटिश रूल
जॉन आर. मैक्लेन — इंडियन नेशनलिज्म एंड अर्ली कांग्रेस
वीरेंद्र नाथ गांगुली — इंडियन इकोनॉमिक थॉट- 19th सेंचुरी परस्पेक्टिव्स
बिपिन चंद्र — द राइज़ एंड ग्रोथ ऑफ इकोनॉमिक नेशनलिज्म इन इंडिया
- * 'दि रूट्स ऑफ एन्सियंट इंडिया' के लेखक थे — डब्ल्यू.ए. फेअरसर्विस
- * पुस्तक 'भारत की दूसरी स्वतंत्रता' के लेखक हैं — एम.जी. देवासहायाम

- * सही सुमेलित हैं—
प्रिय प्रवास — अयोध्या प्रसाद 'हरिऔध'
गबन — प्रेमचंद
एटर्नल इंडिया — इंदिरा गांधी
शाहनामा — फिरदौसी
- * सही सुमेलित है—
ऑटोबायोग्राफी ऑफ ऐन अननोन — नीरद सी. चौधरी
इंडियन
इंडिया : ए वून्डड सिविलाइजेशन — वी.एस. नायपॉल
कन्फैशन्स ऑफ ए लवर — मुल्क राज आनंद
दि इंग्लिश टीचर — आर.के. नारायण
- * 'प्लानिंग एंड दि पुअर' नामक शीर्षक पुस्तक के रचयिता हैं — बी.एस. मिन्हास
- * 'द प्रॉब्लम्स ऑफ द फॉर ईस्ट' नामक पुस्तक के लेखक हैं — कर्जन
- * 'दी अनटोल्ड स्टोरी' लिखी है — जनरल कौल ने
- * प्रसिद्ध पुस्तक 'दि अल्फाबेट' के लेखक थे — डेविड डिरिन्जर
- * 'द प्राउडेस्ट डे' पुस्तक के लेखक थे — एथोनी रीड तथा डेविड फिशर
- * सही सुमेलित है—
माई म्यूजिक, माई लाइफ — रविशंकर
आधा गांव — राही मासूम रजा
राधा — रमाकान्त रथ
द पिल्फेरर — लक्ष्मण गायकवाड़
- * सही सुमेलित है—
बाकी इतिहास — बादल सरकार
सीता स्वयंवर — विष्णु दास भावे
ययाति — विष्णु सखाराम खांडेकर
गिद्ध — जब्बार पटेल
- * सही सुमेलित है—
शशि थरूर — शो बिज़नेस
अमिताभ — सर्किल ऑफ रीजन
अनीता देसाई — किलयर लाइट ऑफ डे
विक्रम चंद्र — लव एंड लॉगिंग इन बॉम्बे
- * सही सुमेलित हैं—
घर और अदालत — लीला सेठ
झोपड़ी से राष्ट्रपति भवन तक — महेंद्र कुलश्रेष्ठ
इमैजिंग इंडिया — नंदन नीलेकणि
जर्नी थ्रू बाबूडम एंड नेतालैंड — टी.एस.आर. सुब्रमनियम
- * 'गोदान' और 'गबन' दोनों ही जिस लेखक की रचनाएं हैं, उनका नाम है — मुंशी प्रेमचंद
- * 'निर्मला' के लेखक हैं — मुंशी प्रेमचंद

सम-सामयिक घटना बक

- * 'सोज-ए-वतन' पुस्तक के लेखक हैं — मुंशी प्रेमचंद
- * 'मालगुडी डेज' के रचनाकार हैं — आर.के. नारायण
- * हंस क्रिश्चियन एंडरसन ने रचना की है — परियों की कहानियों की
- * सही सुमेलित है—
 - अबुल कलाम आजाद — इंडिया विन्स फ्रीडम
 - मणिशंकर अय्यर — दि पाकिस्तान पेपर्स
 - सविता पांडे — दि फ्यूचर ऑफ एन.पी.टी.
 - मार्गेट थैचर — दि पाथ टू पॉवर
- * 'दि गोल्डन गेट' के रचयिता हैं — विक्रम सेठ
- * 'लखनऊ बॉय' शीर्षक से अपनी आत्मकथा लिखी है — विनोद मेहता ने
- * 'साइलेंट स्प्रिंग' के लेखक हैं — रशेल कार्सन
- * 'दि सैटेनिक बर्सेस' लिखी थी — सलमान रुश्दी ने
- * 'टू इयर्स एट मंथ्स एंड ट्वेन्टी-एट नाइट्स' के लेखक हैं — सलमान रुश्दी
- * 'नेमसेक' पुस्तक के लेखक हैं — झुम्पा लाहिड़ी
- * 'दि रोड अहेड' नामक पुस्तक के लेखक हैं — बिल गेट्स
- * 'मानस के हंस' के लेखक हैं — अमृतलाल नागर
- * सुमित्रानंदन पंत विख्यात हैं एक — छायावादी कवि के रूप में
- * 'डायना : ए ट्रिब्यूट' के लेखक हैं — जूलिया डेलानो
- * 'हेरी पॉटर' उपन्यास में कोर्नेलियस फज हैं — जादू का मंत्री
- * स्वर्गीय हरिवंश राय बच्चन की कविताओं का सही कालक्रम है—
 - मधुशाला-मधुबाला-मधुकलश
- * पुस्तक 'बुलेट फॉर बुलेट : माई लाइफ एज ए पुलिस ऑफिसर' के लेखक हैं — जुलियस रिबेरो
- * पुस्तक 'रोमांसिंग विद लाइफ : एन ऑटोबायोग्राफी' किसने लिखी — देवानंद ने
- * सही सुमेलित है—
 - द स्ट्रगल इज माई लाइफ — नेल्सन मंडेला
 - द स्ट्रगल एंड द ट्राइअम्फ — लेक वालेसा
 - फ्रेंड्स एंड फोर्ज — शेख मुजीबुर्रहमान
 - रीबर्थ — लियोनिद ब्रेझ्नेव
- * सही सुमेलित है—
 - प्राइस ऑफ पार्टीशन — रफीक जकरिया
 - आनंदमठ — बंकिमचंद्र चटर्जी
 - इंडिया 2020 — ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
 - पैथोलॉजी ऑफ करप्शन — एस.एस. गिल
 - यूलीसिस — जेम्स जायस
- * सही सुमेलित है—
 - डब्ल्यू. सी. स्मिथ — मॉडर्न इस्लाम इन इंडिया
 - खालिद बिन सईद — पाकिस्तान : द फॉरमेटिवमोड

- शकीर — खिलाफत दू पार्टीशन
- पीटर हॉर्डी — द मुस्लिम्स ऑफ ब्रिटिश इंडिया
- * 'हार्ट ऑफ इंडिया' पुस्तक लिखी है — मार्क टुली
- * पुस्तक 'नाइनटीन एट्टी फोर' लिखी गई है — जॉर्ज ऑरवेल द्वारा
- * अंग्रेजी उपन्यास 'द गॉड ऑफ स्माल थिंग्स' लिखा है — अरुंधति रॉय ने
- * 'मृगयनी' के लेखक हैं — वृंदावन लाल वर्मा
- * इंद्रावती, पद्मावती, मधुमालती तथा मृगावती हिंदी रचनाओं में से पहले लिखी गई थी — मृगावती
- * 'एन इक्वल म्यूजिक' लिखी है — विक्रम सेठ ने
- * 'बिखरे मोती' की रचयिता हैं — सुमद्रा कुमारी चौहान
- * 'नौकर की कमीज' के लेखक हैं — विनोद कुमार शुक्ल
- * उपन्यास 'डेविड कॉपरफील्ड' के रचयिता थे — चार्ल्स डिकिंस
- * 'दि प्राउडस्ट डे' नामक पुस्तक की कहानी का संबंध है — भारत की स्वतंत्रता से
- * तरलीमा नसरीन लेखिका हैं — लज्जा, उतल हवा, अमार माया बेला की
- * सही सुमेलित है—
 - हाफ ए लाइफ — वी.एस. नायपॉल
 - वर्शिपिंग फाल्स गॉड्स — अरुण शौरी
 - अग्नि की उड़ान — ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
 - जीत आपकी — शिव खेड़ा
- * सही सुमेलित है—
 - गांधीयन कांस्टीट्यूशन फॉर इंडिया — श्रीमन नारायण
 - द रिपब्लिक ऑफ इंडिया — एलन ग्लेडहिल
 - द व्हाइट अम्ब्रेला — डी. मेकेंजी ब्राउन
 - द पॉलिटिक्स ऑफ इंडिया — पॉल आर. ब्रास
 - सिन्स इंडिपेंडेंस
- * 'कामायनी' के रचयिता थे — जयशंकर प्रसाद
- * 'जियोग्राफिकल फैक्टर्स, इन इंडियन हिस्ट्री' पुस्तक लिखी — के.एम. पणिक्कर ने
- * 'बैगा' नामक पुस्तक लिखी है — बेरियर एल्विन ने
- * शरतचंद्र का लिखा उपन्यास है — चरित्रहीन, श्रीकांत, शेष प्रश्न
- * खुशवंत सिंह द्वारा लिखी गई आत्मकथा का नाम है — टूथ लव एंड ए टिटिल मैलिस
- * 'न्यू डाइमेंशंस ऑफ इंडियाज फॉरेन पॉलिसी' पुस्तक के लेखक हैं — ए.बी. वाजपेयी
- * 'इग्नाइटेड माइंड्स' के लेखक हैं — ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
- * 'द पोस्ट अमेरिकन वर्ल्ड' नामक पुस्तक के लेखक हैं — फरीद जकारिया